हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 349, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 12 जून, 2023 दिन सोमवार गाजीपुर/वाराणसी

वाराणसी में विदेश मंत्री बोले- दुनिया भर के देशों में हिंदू मंदिरों का कायाकल्प करा रही भारत सरकार

वाराणसी। जी-20 देशों के विकास मंत्रियों के सम्मेलन की अध्यक्षता करने वाराणसी पहुंचे विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि भारत सरकार विदेशों में भी हिंदू मंदिरों का कायाकल्प कर रही है। आबूधाबी में बन रहा मंदिर इस साल के अंत में पूरा हो जाएगा। काशी विद्यापीठ में कार्यक्रम से पहले अनौपचारिक बातचीत में विदेश मंत्री ने कहा कि बहरीन और फ्रांस में मंदिर निर्माण की अनुमति मिल गई है। न्यूयार्क में भी मंदिर निर्माण के प्रयास जारी हैं। हमारा प्रयास यह भी है कि विदेशों में स्थित पुराने मंदिरों का जीर्णोद्धार किया जाए। इसके लिए विदेश मंत्रालय में सांस्कृतिक संरक्षण के लिए एक विभाग की स्थापना की गई है। कंबोडिया और वियतनाम सहित कई देशों में भारतीय संस्कृति के संरक्षण के लिए अभियान भी चलाए जा रहे हैं। नेपाल, चीन और पाकिस्तान की सीमा पर स्थाई बाउंड्री वॉल बनाने के सवाल पर विदेश मंत्री ने कहा कि नेपाल से हमारा रिश्ता रोटी-बेटी का है। भारत के मित्र देश में शुमार नेपाल में हमारी खुली सीमाएं हैं। सीमा सील करने या किसी तरह की दीवार से दुनिया में गलत राजनीतिक संदेश जाएगा। उन्होंने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकास मंत्रियों की बैठक के लिए वाराणसी को चुना है। ताकि दुनिया में काशी की सांस्कृतिक विरासत का संदेश पहुंचे। जी-20 के साथ ही एससीओ (शंघाई सहयोग संगठन) का कार्यक्रम चल रहा है। विकास मंत्रियों की बैठक के बाद जी-20 का सांस्कृतिक सम्मेलन भी वाराणसी में होगा। जी 20 देशों के विकास मंत्रियों के समक्ष काशी का विकास मॉडल भी रखा जाएगा।

बताया जाएगा कि धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व की नगरी के पुरातन स्वरूप को बरकरार रखते हुए विकास कार्य आगे बढ़ाए जा रहे हैं। काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर को आदर्श उदाहरण बताया जाएगा। सिक्स व फोरलेन सड़कों, ओवरब्रिज व फुट ओवरब्रिज के निर्माण से जुड़ी जानकारियां दी जाएंगी। यह भी बताया जाएगा कि भविष्य में विकास की गति और तेज होगी। दुनिया का तीसरा पब्लिक ट्रांसपोर्ट का रोपवे काशी में बनाया जा रहा है। जी-20 देशों के सम्मेलन में विकास मॉडल और तकनीक का आदान प्रदान भी किया जाएगा। दुनिया की अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभाने वाले देशों के विकास मंत्रियों का समूह रविवार से तीन दिन विकास पर मंथन करेगा। प्रदेश सरकार की ओर से अतिथियों के स्वागत में 11 जून को रात्रिभोज का आयोजन किया गया है। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी हिस्सा ले सकते हैं।

टैंकर-बाइक की जोरदार भिड़ंत, बाइक सवार दो दोस्तों की मौत, तीसरा गंभीर

बहराइच। जरवलरोड थाना क्षेत्र में बहराइच-लखनऊ राजमार्ग पर शनिवार की रात टैंकर और बाइक की जोरदार भिड़ंत हो गई। भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार दो दोस्तों की मौत हो गई। वहीं एक दोस्त ट्रामा सेंटर लखनऊ में जिंदगी और मौत से जूझ रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त टैंकर व बाइक को कब्जे में ले लिया है। वहीं एक ही मोहल्ला निवासी दो दोस्तों के मौत की सूचना पहुंचते ही मोहल्ले में मातम जैसा माहौल है। जरवलरोड थाना क्षेत्र के जरवल कस्बा के मोहल्ला सराय निवासी फरहान (24), राशिद कुरैशी (22) और गुफरान (25) घनिष्ठ दोस्त थे। शनिवार की रात तीनों एक बाइक पर सवार होकर जरवल कस्बा से जरवलरोड की ओर जा रहे थे। बताया जाता है कि तीनों ढाबे पर चार पीने जा रहे थे। इसी दौरान बहराइच-लखनऊ मार्ग पर रिठौरा के पास लखनऊ की ओर से आ रहे एक टैंकर से बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। आमने-सामने हुई इस जोरदार टक्कर से बाइक सवार तीनों दोस्त उछल कर कई मीटर दूर जा गिरे। स्थानीय राहगीरों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस व एंबुलेंस को दी। सूचना पर दलबल के साथ पहुंचे जरवलरोड थाना प्रभारी दद्दन सिंह ने तीनों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मुस्तफाबाद पहुंचाया।

'विपक्षी दलों को खत्म करना चाहते हैं पीएम मोदी', आप की महारैली में सरकार पर जमकर बरसे कपिल सिब्बल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व नेता और राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने केंद्र सरकार के अध्यादेश के खिलाफ रविवार को आयोजित हुई आम आदमी पार्टी की महारैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार पर केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हम सब एकजुट होकर पीएम मोदी को हराएंगे। कपिल सिब्बल ने पीएम मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार को डबल बैरल सरकार बताया। उन्होंने कहा कि एक बैरल ईडी है और दूसरी बैरल सीबीआई है। सिब्बल ने BJP पर हमला बोलते हुए कहा कि मुझे याद है 2014 से पहले जब हम यूपीए सरकार में थे, तब अरविंद केजरीवाल हमारा विरोध करते थे, लेकिन समय बदल गया है, सरकारें बदली हैं, प्रधानमंत्री बदले हैं।

सिब्बल ने कहा कि पीएम मोदी कहते थे कि आपने कांग्रेस को 60 साल दिए हैं, अब हमें सिर्फ सात महीने दीजिए और हम भारत को प्रगतिशील बनाएंगे और उन्होंने 120 महीनों में भारत का नक्शा बदल दिया। सिब्बल ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने मीडिया, चुनाव आयोग और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को अपनी गोद में बैठा लिया है। सिब्बल ने आगे कहा कि पीएम मोदी हमेशा डबल इंजन की सरकार की बात करते हैं, लेकिन मकसद पूरे विपक्ष को खत्म करना है। यह ईडी और सीबीआई वाली दोनाली सरकार है। उन्होंने कहा कि संविधान कहता है कि केंद्र में तीन चीजें होंगी। जमीन, पुलिस और पब्लिक ऑर्डर और दिल्ली की केजरीवाल सरकार इसमें दखल नहीं दे सकेगी। इसके अलावा केंद्र के पास कोई ताकत नहीं होगी। सिब्बल ने आगे कहा कि विधानसभा इसलिए बनाई गई थी, ताकि लोग अपना काम करा सकें लेकिन असल में पीएम मोदी जो चाहते हैं वो हो रहा है। सिब्बल ने दावा किया कि पीएम मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार का एकमात्र उद्देश्य पूरे विपक्ष को नष्ट करना है। सरकार के खिलाफ एकजुट लड़ाई का आह्वान करते हुए सिब्बल ने कहा कि आने वाले दिनों में मेरा उद्देश्य अलग-अलग जगहों पर जाना होगा और लोगों को बताना होगा कि समय आ गया है, हमें एकजुट होकर पीएम मोदी के खिलाफ लड़ने की जरूरत है। मैं आने वाले दिनों में हर राज्य में जाकर अपील करूंगा कि हमें पीएम मोदी के खिलाफ लड़ना है।

अंबेडकरनगर में एक स्कूल में युवक की हत्या कर शव को जलाया, दो साल से बंद पड़ा था स्कूल

अंबेडकरनगर। बेवाना के भितरीडीह गांव के बंद पड़े निजी स्कूल में हत्या कर एक युवक के शव को जला दिया गया। कमरे के बाहर पड़े खून के धब्बे हत्या की ओर इशारा कर रहे हैं। घटना को छिपाने के लिए शव को जलाने का प्रयास किया गया। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य संकलित किए। पुलिस अधीक्षक अजीत कुमार सिन्हा और अपर पुलिस अधीक्षक संजय राय ने घटना स्थल का निरीक्षण कर लोगों के बयान लिए। भितरीडीह गांव से करीब 500 मीटर दूर रत्नेश पाठक का कक्षा आठ तक एक पब्लिक स्कूल है। बीते दो वर्ष से स्कूल बंद चल रहा है।

मोदी सरकार के नौ सालः रैली कर भाजपा सांसद बृजभूषण ने किया शक्ति प्रदर्शन, बोले- होइहैं वही जो राम रचि राखा...

लखनऊ। मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने पर आयोजित रैली में यौन शोषण के आरोपी भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने पहलवानों पर कोई भी टिप्पणी नहीं की। कहा कि होइहैं वही जो रामरचि राखा, को करि तर्क बढ़ावै साखा। इस दौरान कांग्रेस सरकार पर उन्होंने जमकर निशाना साधा। कहा कि जब देश 1947 में आजाद हुआ उस समय देश के प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू थे। पाकिस्तान ने जमीन कब्जा कर लिया। कश्मीर पर लोग कहते थे जहां हुए पैदा मुखर्जी वह कश्मीर हमारा है लेकिन आज अमित शाह व पीएम नरेंद्र मोदी की देन है कि हर भारतीय गर्व से कह सकता है कि कश्मीर हमारा है। भाजपा सांसद ने कहा कि मोदी ने बैंकों में जनधन खाता खुलवाया। उसका फायदा सब लोग जानते हैं। 1977 में जब इमरजेंसी लगी उस समय भी सरकार कांग्रेस की थी। भाजपा ने नारा दिया था कि रामलला हम आएंगे मंदिर वहीं बनाएंगे। मंदिर बन रहा है। जिसका सारा श्रेय मोदी को जाता है। भाजपा सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री से पहले जनता को श्रेय दिया जाता है जिसने भाजपा सरकार बनाई है। कांग्रेस की सरकार में चीन ने 33 हजार वर्ग किलो मीटर जमीन कब्जा किया है। 1971 में हिंदुस्तान के इतिहास में एक घटना हुई जब पाकिस्तान ने हमारे देश के 92 हजार सैनिकों को बंदी बनाया था। अगर उस समय मोदी वाला भारत होता तो ऐसा कभी नहीं होता। आज भारत के लोग पूछते हैं कि मोदी ने क्या किया। हम कांग्रेस के लोगों से पूछते हैं जब मंदिर का केस चल रहा था तब कांग्रेस वकीलों की फौज खड़ी कर देती थी। जब उरी में पुलवामा में सैनिकों की हत्या होती है तो हमारे देश के सैनिक सर्जिकल स्ट्राइक करते हैं। वहीं कांग्रेसी सबूत मांगते हैं। जब हमारे देश के वैज्ञानिक कोरोना की दवा बनाते हैं तब भी कांग्रेसी सबूत मांगते हैं। इस दौरान विधायक पयागपुर सुभाष त्रिपाठी, कटरा बाजार के विधायक बावन सिंह, करनैलगंज के अजय सिंह, तरबगंज विधायक प्रेम नरायन पांडेय, धर्मपाल सिंह, जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि वैभव सिंह मोनू, अर्जुन तिवारी, रामपाल शुक्ल गुप्ता मौजूद रहे।

'वंशवाद की राजनीति पर मुझे गर्व', सुप्रिया सुले बोलीं- संसद मेरे पिता की नहीं, योग्यता पर बनी हूं सांसद

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की कार्यकारी अध्यक्ष बनने के बाद सुप्रिया सुले का पहला बयान सामने आया है। सुले ने कहा कि उन्हें शरद और प्रतिभा पवार की बेटी होने पर गर्व है और वह भाई-भतीजावाद या वंशवाद की राजनीति से कभी नहीं भागेंगी।

शरद पवार द्वारा एनसीपी की कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने के एक दिन बाद सुप्रिया ने कहा- 'मैं भाई-भतीजावाद से दूर नहीं जा सकती क्योंकि मैं एक राजनीतिक परिवार में पैदा हुई हूं। मुझे प्रतिभा और शरद पवार की बेटी होने पर बहुत गर्व है। मैं इससे क्यों भागूं? मैंने संसद में भी यह कहा है"। सुप्रिया ने आगे कहा कि हम वंशवाद की राजनीति के बारे में बात करते हुए प्रदर्शन के बारे में बात क्यों नहीं कर सकते? उन्होंने कहा कि मेरे संसद के प्रदर्शन को देखें, तभी मेरी काबिलियत का पता लग सकेगा। अब संसद मेरे पिता, चाचा या मेरी मां द्वारा नहीं चलाई जाती है। सुप्रिया ने कहा कि अगर लोकसभा में प्रदर्शन की बात आएगी तो मैं चार्ट के शीर्ष पर मिलूंगी। कोई वंशवाद की राजनीति नहीं है। यह योग्यता पर आधारित है। सुप्रिया सुले और प्रफुल्ल पटेल को कार्यकारी अध्यक्ष के पद पर पदोन्नति से अजित पवार को पार्टी में झटका लगने की बात पर शरद पवार का बयान आया है। शरद पवार ने कहा कि अजित पवार उन लोगों में से एक थे, जिन्होंने सुप्रिया सुले और प्रफुल्ल पटेल को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाने का फैसला किया था।

वाराणसी में सीएम योगी ने कार्यकताओं संग की टिफिन बैठक, जी-20 मेहमानों के साथ करेंगे गाला डिनर

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिवसीय दौरे पर रविवार दोपहर वाराणसी पहुंचे। पुलिस लाइन में सीए का स्वागत कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर, महापौर अशोक तिवारी सहित अन्य लोगों ने किया। यहां से वे बिरदोपुर स्थित कैलाश मठ पहुंचे। वहां अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने प्रदेश और केंद्र सरकार की उपलब्धियों की चर्चा की। मठ में 104 वर्षीय स्वामी रामचंद्र गिरी से मिलकर उनका कुशलक्षेम भी जाना। यहां कार्यक्रम में शामिल होने के बाद कैंट विधानसभा के कार्यकताओं के साथ टिफिन बैठक में शामिल हुए। इस दौरान भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकताओं संग बातचीत की। लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर तैयारियों को और प्रभावी बनाने को कहा। सीएम ने कार्यकताओं को निर्देशित किया कि सरकार की उपलब्धियों और जनोपयोगी योजनाओं के बारे में जन-जन को बताएं। इसके बाद मुख्यमंत्री का काफिला सर्किट हाउस रवाना हो गया। शाम में वो जी-20 सम्मेलन में भाग लेने के लिए बनारस पहुंचे विदेशी मेहमानों से मुलाकात करेंगे। वहीं रात्रिभोज (गाला डिनर) में भी शामिल होंगे। काशी विश्वनाथ व कालभैरव मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगे। सीएम विकास कार्यों की समीक्षा भी करेंगे। जी-20 सम्मेलन और मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट है।

मऊ में बड़ा हादसा : ट्रक का टायर फटा, पिकअप से टकरा खाई में पलटा, 5 की हालत गंभीर

मधुबन (मऊ)। क्षेत्र के ढड़वल पटरांव के पास रविवार की भोर में बालू लादकर जा रहे ट्रक टायर फटने के बाद पिकअप से टकराने के बाद खाईं में पलट गया। इससे पिकअप पर आठ लोग घायल हो गए। इसमें पांच की हालत गंभीर देखकर चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया, वहीं तीन को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। क्षेत्र के गुरुम्हा में टेंट लगाने के बाद रविवार की भोर में उसका सामान वापस लाने के लिए सिधा अहिलासपुर निवासी 16 वर्षीय बेचन , 18 वर्षीय निर्मल, 32 वर्षीय पिकअप चालक विजय , 18 वर्षीय अर्जुन, 18 वर्षीय रोशन, 20 वर्षीय किशन, 18 वर्षीय अभय व हरियांव निवासी 18 वर्षीय रवि पिकअप पर सवार होकर गुरुम्हा जा रहे थे। ढड़वल पटरांव के पास बेल्थरारोड से मधुबन की तरफ बालू लादकर आ रहे ट्रक का टायर फटने के बाद अनियंत्रित हो जाने से पिकअप से टक्कर हो गई। इसके बाद ट्रक खाई में पलट गया। इससे पिकअप सवार सभी घायल हो गए। इनको इलाज हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतहपुर मंडाव में भर्ती कराया गया। यहां हालत गंभीर देखकर चिकित्सकों ने रवि, विजय, अभय, अर्जून, बेचन को रेफर कर दिया गया जबकि रोशन , निर्मल और किशन को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

आलाकमान के समझाने के बाद भी नहीं माने पायलट गहलोत पर हमले जारी; बोले- हर गलती सजा मांगती है

जयपुर। कांग्रेस आलाकमान की लाख कोशिशों के बावजूद राजस्थान कांग्रेस में राजनीतिक संग्राम आज भी जारी है। पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने आज फिर सीएम अशोक गहलोत पर निशाना साधा है। पायलट ने गहलोत पर तंज कसते हुए कहा कि सबसे बड़ा न्याय नीली छतरी वाला देता है। आज नहीं तो कल न्याय आवश्य मिलेगा। उन्होंने कहा, मैंने जो आवाज उठाई है, उससे पीछे हटने वाला नहीं हूं। पायलट ने कहा कि परिस्थिति कोई भी हो, युवा और आम लोगों के लिए संघर्ष करूंगा, लोगों को न्याय दिलाने का वादा कल भी था आज भी है और कल भी रहेगा। राजनीति में बात रखना जरूरी है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए पायलट ने कहा- किसी ने सही कहा है कि हर गलती कीमत मांगती है। गलती करने वाले को सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा, जिन नौजवानों के साथ धोखा हुआ है, उनकी मदद करने की बात कहता हूं तो कहते हैं कि मानसिक दिवालया हो जाएगा। दरअसल, गहलोत कई बार कहते हैं कि हर गलती सजा मांगती है। वहीं पिछले दिनों गहलोत ने जयपुर में एक कार्यक्रम में पायलट का नाम लिए बिना कहा था कि भर्ती परीक्षाओं के पर्चे लीक मामले में मुआवजे की मांग करने वालों की बुद्धि का दिवालियापन हो गया है।माना जा रहा है कि पायलट ने गहलोत को इशारों में जवाब दिया है। पायलट लंबे समय से भर्ती परीक्षा में पर्चे लीक पीड़ितों को मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं। रविवार को राजस्थान में दौसा में स्थित गुर्जर छात्रावास में अपने पिता स्व.राजेश पायलट की मूर्ति का अनावरण करने के बाद उन्होंने कहा,हम किसी पद पर हो या नहीं हों,जनता तोलकर रखती है कि कहते क्या थे और करते क्या थे। मेरे लिए जनता की विश्वसनीयता सबसे बड़ी पूंजी है। मैं जनता के विश्वास में कमी नहीं होने दूंगा। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश की राजनीति में भ्रष्ट लोगों और भाष्टाचार की कोई जगह नहीं होनी चाहिए। भविष्य में यदि कोई निराशा दिखती है तो मेहनता करने का मन नहीं करता है। पायलट ने कहा कि मैं सबको साथ लेकर चलने की कोशिश करता हूं। पांच साल पहले कांग्रेस का प्रदेशाध्यक्ष था तो तत्कालीन वसुंधरा राजे सरकार के दांत खट्टे कर दिए थे। हमेशा उनके खिलाफ संघर्ष किया, लेकिन कोई गलत बात नहीं निकाली। उन्होंने कहा कि वसुंधरा सरकार में खानों का गलत आवंटन हुआ, अब निरस्त कर दी गई। लेकिन जांच तो होनी चाहिए। इससे पहले स्व.राजेश पायलट की पुण्यतिथि पर दौसा जिले भंडाना में स्मारक स्थल पर आयोजित प्रार्थना सभा में पायलट शामिल हुए। इस मौके पर राज्य सरकार के मंत्री हेमाराम चौधरी,प्रताप सिंह खाचरियावास,ममता भूपेश,परसादी लाल मीणा,राजेंद्र गुढ़ा,बृजेंद्र ओला,दस विधायक सहित कई नेताओं ने स्व. पायलट को श्रद्धांजलि दी।

प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त, जीवा हत्याकांड में शासन व प्रशासन का सहयोग : डिंपल यादव

मैनपुरी। भाजपा सरकार में प्रदेश की कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गई। सरकार ने स्वास्थ और शिक्षा को बदहाल करके रख दिया है, नौजवान रोजगार के लिए भटक रहा है। गोवंशी समस्या का निदान नहीं कर पाई सरकार। मैनपुरी में रविवार को पहुंचीं सपा सांसद डिंपल यादव ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा। रविवार को मैनपुरी पहुंचीं सपा सांसद डिंपल यादव ने लखनऊ न्यायालय में हुए जीवा हत्याकांड के सवाल पर कहा कि बगैर शासन और प्रशासन के सहयोग से ऐसी घटना को अंजाम नहीं दिया जा सकता है। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। राज्यसभा सदस्य हरनाथ सिंह द्वारा दिए गए बयान को लेकर उन्होंने कहां की भाजपा चरित्र हनन की राजनीति करती है। डिंपल यादव ने कहा कि सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जनता के बीच जा रहे हैं। लोगों उनको अपनी समस्या बता रहे हैं। सरकार बिजली, पेट्रोल और महंगाई की बात स्वीकार नहीं करती। भाजपा सरकार में सबसे ज्यादा महिलाएं असुरक्षित है। लगातार उनका उत्पीड़न हो रहा है। पूरे प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। इस दौरान सांसद ने जिले के मेधावी छात्र छात्राओं को लैपटाप वितरित कर उन्हें सम्मानित किया।

संपादकीय

कथावाचकों के प्रचारक बनने से शंकराचार्य नाराज

पुरी के शंकराचार्य जगतगुरु स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी महाराज ने कहा,इन दिनों कथावाचक भाजपा के प्रचारक बनकर काम कर रहे हैं। दिव्य दरबार और कथा के नाम पर जो पाखंड फैलाया जा रहा है। कथावाचक चमत्कार के नाम पर राजनीतिक दल के प्रचारक बनकर काम कर रहे हैं। उन पर तीखी टिप्पणी की है। पुरी के शंकराचार्य ने उज्जैन में हुई सप्त ऋषि की मूर्ति खंडित होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा,कि जिस तरह से तपस्थली को भोग स्थली और पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। धर्म को कमाई का जरिया बनाया जा रहा है। उसका ही परिणाम है, कि अब तपस्थली भी सुरक्षित नहीं हैं। उज्जैन के महाकाल में इसका असर देखने को भी मिल गया। पुरी के शंकराचार्य एवं अन्य शंकराचार्य भी समय-समय पर धार्मिक स्थलों को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने का विरोध कर चुके है। धार्मिक और पौराणिक ऐतिहासिक स्थलों को, जिस तरह से पर्यटन के नाम पर भोग स्थली के रूप में व्यापारिक केंद्र बनाए जा रहे हैं। तरह-तरह की शुल्क लगाए जा रहे हैं। उन्होंने इसकी तीव्र भर्त्सना की है।धर्म के नाम पर जो पाखंड फैलाया जा रहा है।उससे भी शंकराचार्य नाराज हैं।उनका स्पष्ट रुप से मानना था, कि धार्मिक स्थल तपोभूमि हैं भक्तों की आस्था के प्रतीक हैं। धर्म स्थलों को धार्मिक स्थलों के रूप में ही रहना चाहिए। बहरहाल जिस तरह से हिंदू राष्ट्र और हिंदुत्व को लेकर कथा वाचकों के माध्यम से, धर्म की आड़ में पाखंड फैलाकर भक्तों को भ्रमित किया जा रहा है। धमार्चार्यों को छोड़कर अब लोग इन कथावाचकों के पीछे भाग रहे हैं। नेताओंद्वारा आयोजित स्थलों पर कथावाचकों द्वारा दिव्य दरबार, भंडारा के नाम पर, रुद्राक्ष या अन्य सामग्री बांटकर भारी भीड़ एकत्रित की जा रही है। जिसके कारण धर्म के प्रति जो आस्था भीड के रूप में देखने को मिल रही है। उससे हिंदू धर्म का नुकसान हो रहा है। इसके साथ ही हिंदू धमार्चार्यों का स्थान, अब कथावाचक लेते चले जा रहे हैं। जिन्हें धर्म का कोई ज्ञान नहीं होता है। कुछ भी बोलते हैं। दिव्य दरबार के नाम पर लोगों की समस्या दूर करने की आड़ में लाखों- करोड़ों रुपए कमा रहे हैं। धर्म की आस्था पर चोट कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी से जो शंकराचार्य महामंडलेश्वर और धमार्चार्य गौ हत्या और धर्म के प्रति आस्था को लेकर जुड़े हुए थे।वह भी काफी नाराज हैं। कथा वाचकों की कथा में सुनियोजित तरीके से राजनीतिक दलों द्वारा भीड़ एकत्रित की जा रही है। चमत्कार और भंडारा के नाम पर भक्तों की आस्था के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। इससे सनातन धर्म का प्रचार प्रसार होने के स्थान पर,अधर्म की स्थापना हो रही है। साधु-संतों मैं ही मत और मतांतर देखने को मिलने लगे हैं। साधु संतों को ही आपस में लड़ाने का काम शुरू कर दिया गया है। इससे हिंदू एकजुट होने के स्थान पर विभक्त होने लगा है। साधु संतों में भी अब इस बात की चिंता होने लगी है, कि उनके धार्मिक स्थल पर्यटन केंद्र के नाम पर उनसे छीने जा रहे हैं। धार्मिक स्थलों पर राजनेताओं का हस्तक्षेप बढ़ता जा रहा है। यहां तक की प्राण प्रतिष्ठा,भूमि पूजन जैसे कार्यक्रम भी अब राजनेता कर रहे हैं। सरकारों का हस्तक्षेप धार्मिक स्थलों पर बढ़ रहा है। काशी विश्वनाथ और उज्जैन में जिस तरीके से धार्मिक मान्यताएं और परंपराओं को अनदेखा करते हुए, धार्मिक स्थलों में हस्तक्षेप किया गया है। वह स्पष्ट नजर आने लगा है। सनातन धर्म में शंकराचार्य ही धर्म की स्थापना और और धार्मिक क्रियाकलापों को लेकर देश भर में सभी का मार्गदर्शन करते हैं। लेकिन अब शंकराचार्य के स्थान पर जिस तरह से राजनीतिक दल तथा उनके संरक्षण प्राप्त तथा-कथित धमार्चार्य और कथा वाचक का राजनीतिक हितों के लिए उपयोग कर रहे हैं। उससे शंकराचार्य महामंडलेश्वर एवं अन्य पीठाधीश्वर साधु- संत नाराज हैं। यह नाराजी अब खुलकर सामने आने लगी हैं।

पर अडिग हैं हम !

आनी पूरी सीटें ।
है पूरा उत्साह ।।
जुट जाएं काम पर ।
खोलनी है राह ।।
लें अभी संकल्प ।
कोशिश बार बार ।।
करना है मजबूत ।
आगे अब आधार ।।
ले रहे कुछ चुटकी ।
जो है उनका हक ।।
सोचने पर उनका ।
नहीं हमें है शक ।।
पर अडिग हैं हम ।
ना अब पीछे हटना ।।
हुए हम जुझारू ।
कैसे भी है लड़ना ।।

–कृष्णेन्द्र राय

बच्चों के मौलिक अधिकारों को बाधित करता है बालश्रम

बाल श्रम के खिलाफ हर साल 12 जून को विश्व बाल श्रम निषेध दिवस मनाया जाता है। पहली बार यह दिवस वर्ष 2002 में बाल श्रम को रोकने के लिए जागरूकता और सक्रियता बढ़ाने के लिए शुरू किया गया था। बाल श्रम इतनी आसान समस्या नहीं है, जितनी लगती है। बच्चों को उनकी इच्छा के विरुद्ध किसी भी प्रकार के काम में शामिल करने का कार्य है बाल श्रम, जो उनके मौलिक अधिकारों को बाधित करता है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 24 के अनुसार चौदह वर्ष से कम आयु के किसी भी बच्चे को किसी कारखाने या खदान में या किसी खतरनाक रोजगार में नियोजित नहीं किया जाएगा। बाल श्रम की समस्या केवल भारत तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह पूरे विश्व में प्रचलित है। यह समस्या अफ्रीका और भारत सहित कई अविकसित या विकासशील देशों में प्रमुख है। बाल श्रम एशिया में 22 फीसदी, अफ्रीका में 32 फीसदी, लैटिन अमेरिका में 17 फीसदी, अमेरिका, कनाडा, यूरोप और अन्य धनी देशों में 1 फीसदी है।

जब हम किसी रेस्तरां, टी-स्टॉल, होटल, कारखानों अथवा चूड़ी उद्योग में जाते हैं तो हम वहां 14 साल से कम उम्र के बच्चों को आसानी से काम करते हुए देख सकते हैं। सुबह-सुबह घर-घर अखबार बांटना, सड़क किनारे जूते पॉलिश करना, कूड़े-कचरे के ढ़ेर में कागज-पॉलीथिन चुनना, 21वीं सदी में भी जब खेलने-कूदने और पढ़ने-लिखने की उम्र में लाखों बच्चों को ऐसे कार्यों के जरिये अपने परिवार के लिए आय जुटाते देखते हैं तो बहुत दुख होता है। इसके अलावा बीड़ी उद्योग, कालीन उद्योग, कांच, पीतल, ज्वैलरी उद्योग सहित कई अन्य खतरनाक काम-धंधों में भी मासूम बचपन हाड़-तोड़ मेहनत करते देखा जाता है।

बाल श्रम न केवल उन्हें उनकी आवश्यक शिक्षा से वंचित कर रहा है बल्कि जिस अस्वच्छ वातावरण के तहत वे काम कर रहे हैं, वहां तरह-तरह की बीमारियां होने की संभावना भी कई गुना ज्यादा रहती है। ऐसे माहौल में काम करने वाले बच्चों को सांस की बीमारी, त्वचा रोग, दमा, टीबी, रीढ़ की हड्डी की बीमारी, कैंसर, कुपोषण, समय से पहले बुढ़ापा इत्यादि कुछ घातक बीमारियां होने की संभावना बढ़ने के अलावा यह समस्या राष्ट्र की प्रगति और विकास के मार्ग में एक बड़ी बाधा के रूप में उभरती है। दरअसल देश की युवा पीढ़ी के कंधों पर ही देश को विकास के पथ पर अग्रसर करने की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और बालश्रम जैसी समस्या के कारण वही प्रभावित होती है तो राष्ट्र के विकास की रफ्तार प्रभावित होना भी तय है।

बाल श्रम की प्रथा के पीछे कई कारण हैं लेकिन इस मुद्दे की महत्वपूर्ण रीढ़ गरीबी ही है। जब कोई परिवार पानी, भोजन, शिक्षा इत्यादि अपनी मूलभूत दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हो पाता तो कई बार ऐसे कुछ परिवार अपनी इन जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने छोटे-छोटे मासूम बच्चों को पढ़ने के लिए स्कूल भेजने के बजाय काम पर भेजने के विकल्प का चयन करते हैं और ऐसे ही कुछ परिवार बाल तस्करों के शिकंजे में फंस जाते हैं तथा कुछ हजार रुपयों के लिए अपने जिगर के टुकड़े को उनके हवाले कर देते हैं। निरक्षरता दर में वृद्धि, बड़े पैमाने पर विस्थापन इत्यादि के पीछे संचालित कारक गरीबी ही है। गरीबी के अलावा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच की कमी, निरक्षरता, मौलिक अधिकारों और 1986 के बाल श्रम अधिनियम के बारे में सीमित ज्ञान, ये सभी कारक भी बाल श्रम की समस्या को विकराल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये कारक न केवल बच्चों को उनके मौलिक अधिकारों और बचपन से वंचित कर रहे हैं बल्कि देश को अंधकारमय भविष्य की ओर धकेलने में भी बड़ी भूमिका निभा रहे हैं।

बहरहाल, बालश्रम जैसी गंभीर होती समस्या को जड़ से मिटाने के लिए सबसे पहले हमें अभिशाप बनती गरीबी जैसी इसकी रीढ़ पर हमला करना होगा। सरकार को मौजूदा कानूनों और नीतियों में कुछ आवश्यक बदलाव करने की जरूरत है, इसके अलावा कौशल विकास पर ध्यान देने और रोजगार के अधिक से अधिक अवसर पैदा करने की भी नितांत आवश्यकता है। बाल श्रम जैसी विकराल समस्या से निपटने के लिए बालश्रम को लेकर बने सभी कानूनों को सख्ती से लागू करने के अलावा इनमें मौजूद तमाम खामियों को दूर करने और दृढ़संकल्प के साथ इन कानूनों को लागू किए जाने की भी दरकार है। हमें एक समाज के रूप में भी एक साथ आने और हाथ मिलाने की जरूरत है। जब भी हम कहीं बाल श्रम की कोई प्रथा देखते हैं तो हमें तुरंत पुलिस और संबंधित अधिकारियों से सम्पर्क करना चाहिए। इस समस्या के उन्मूलन के लिए गैर-सरकारी संगठनों को भी आगे आना चाहिए और इसके बारे में जागरूकता फैलाने के लिए देशभर में ऐसे अभियान शुरू करने की दरकार है, जिससे जन-जन को इस समस्या के कारणों और निवारण के बारे में जागरूक किया जा सके।

यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रुस का बढ़ता सैन्य खर्च और खोती हुई साख दुनिया को कई सबक दे रही है

यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस के बढ़ते कदम अब रुक-से गए हैं क्योंकि जानमाल की भारी हानि रूस को भी हुई है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यह समझ नहीं आ रहा है कि वह करें तो क्या करें। दरअसल, 2014 में क्रीमिया पर कब्जा करने के बाद से ही रूस पश्चिमी देशों की ओर से लगाये गये तमाम प्रतिबंधों का सामना कर रहा था। यूक्रेन के खिलाफ युद्ध शुरू होने के बाद रूस के खिलाफ आर्थिक प्रतिबंध और बढ़ गये जिससे रूस की अर्थव्यवस्था भारी दबाव में आ गयी। इसके साथ ही पुतिन की सोच के विपरीत युद्ध लंबा खिंचता चला जा रहा है जिससे रूस का नुकसान बढ़ता ही जा रहा है। देखा जाये तो शुरू में रूस ने एक छोटा सैन्य अभियान समझ कर जो युद्ध शुरू किया था वह अब अंतहीन होता दिख रहा है। रूस के लिए यह संघर्ष एक लंबा और महंगा युद्ध बन गया है।

द इकोनॉमिस्ट ने अनुमान लगाया है कि रूस का सैन्य खर्च एक वर्ष में पांच खरब रूबल (ख49 अरब पाउंड) या उसके सकल घरेलू उत्पाद का तीन प्रतिशत है। हालांकि जर्मन काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस (जीडीएपी) का अनुमान है कि युद्ध में रूस का सैन्य खर्च यूएसडी 90 अरब (ख72 अरब पाउंड), या जीडीपी के पांच प्रतिशत से अधिक है। युद्ध में जिस तरह बेहिसाब खर्च हो रहा है उससे अब रूसियों का हौसला भी जवाब देने लगा है। जहां तक अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों की बात है तो उसने रूस की अर्थव्यवस्था को बहुत भारी नुकसान पहुंचाया है। प्रतिबंधों ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों, विदेशी मुद्रा और उत्पादों तक रूस की पहुंच की क्षमता को प्रभावित किया है। साथ ही जिस दर से रूसी सेना को इस समय रक्षा उपकरण और गोला-बारूद मित्र देशों से मिल रहा है, वह भी देश के रक्षा उद्योग पर दबाव डाल रहा है। इस स्थिति से उबरने के लिए रूस के सामने विकल्प यह है कि वह एक बार में निर्णायक सफलता हासिल करने के लिए अपने सैन्य प्रयासों को बड़े पैमाने पर बढ़ाये। अगर युद्ध ऐसे ही चलता रहा तो यूक्रेन को दुनिया से मदद मिलती रहेगी क्योंकि यह युद्ध भले दो देश लड़ रहे हों मगर इससे वैश्विक स्तर पर अर्थव्यवस्थाएं प्रभावित हो रही हैं। ऐसे में रूस को रोकने और यूक्रेन को जिताने के लिए दुनिया के बड़े देश

यूक्रेन को समर्थन देते रहेंगे। अब तक के युद्ध को देखें तो रूस ने बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद खो दिया है। मार्च 2023 में ब्रिटेन के सशस्त्र बलों के मंत्री जेम्स हेप्पी ने अनुमान लगाया था कि रूस ने 1,900 मुख्य युद्धक टैंक, 3,300 अन्य बख्तरबंद लड़ाकू वाहन, 73 चालक दल वाले फिक्स्ड विंग विमान, सभी प्रकार के कई सौ बिना चालक दल वाले हवाई वाहन (यूएवी), 78 हेलीकॉप्टर, 550 ट्यूब आर्टिलरी सिस्टम, 190 रॉकेट आर्टिलरी सिस्टम और आठ नौसैनिक जहाज खो दिए हैं। इसके अलावा, रूस को कई महत्वपूर्ण सैन्य और औद्योगिक चुनौतियों से भी जूझना पड़ रहा है। दरअसल सटीक निशाना लगाने वाले कई हथियारों के लिए रूस भी विदेशी तकनीक पर निर्भर है जोकि प्रतिबंधों के चलते अब उसे मिल नहीं रही है। इस तरह की भी रिपोर्टें हैं कि रूसी सेना द्वारा उपयोग किए जाने वाले अधिकांश उच्च तकनीक वाले इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद अमेरिकी कंपनियों द्वारा ही निर्मित होते हैं। शायद यही कारण है कि इस समय रूसी सेना निम्न श्रेणी के हथियारों का ज्यादा उपयोग कर रही है और अत्याधुनिक तकनीक वाले हथियारों का उपयोग संयम के साथ किया जा रहा है। रूस ऐसा इसलिए कर रहा है कि स्थिति ज्यादा बिगड़ती है तब इनसे असल काम लिया जा सके। ऐसा भी सामने आया है कि जिन तोपों के गोलों पर रूस को बहुत भरोसा था वह भी अब कम पड़ रहे हैं। रूस पर वैश्विक प्रतिबंधों का कितना असर पड़ रहा है यह समझना है तो आप यूएस थिंकटैंक सेंटर फॉर सिक्योरिटी एंड इंटरनेशनल स्टडीज की रिपोर्ट को देख सकते हैं। इस रिपोर्ट में अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के अनुमानों के हवाले से बताया गया है कि रूस इतना परेशान हो चुका है कि वह अपने जिन 6000 से अधिक सैन्य उपकरणों को बदलना या अपग्रेड करना चाहता था, उस काम को उसने रोक दिया है क्योंकि उसे विदेशी तकनीक और रक्षा उत्पादन से जुड़े साजो-सामान नहीं मिल पा रहे हैं। रूसी टैंकों और सैन्य विमानों का अपग्रेड भी इन प्रतिबंधों की वजह से रुक गया है।

रूस से जो रिपोर्टें सामने आ रही हैं वह दर्शा रही हैं कि अब पुतिन की सरकार घरेलू स्तर पर ही हथियारों को पूर्ण रूप से निर्मित करने पर जोर दे रही है। रूस की सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दमित्री मेदवेदेव ने हाल ही में 1,500 आधुनिक टैंकों के उत्पादन की योजना पेश की है। रूसी संवाद समिति तास ने बताया है कि मेदवेदेव निगरानी ड्रोन के बड़े पैमाने पर उत्पादन की भी योजना बना रहे हैं। बताया जाता है कि सरकार हथियार निमार्ताओं को पर्याप्त ऋण प्रदान कर रही है और यहां तक कि ऐसा करने के लिए बैंकों को आदेश भी जारी किया गया है। यह भी बताया जा रहा है कि कई रूसी हथियार संयंत्र सप्ताह में छह या सात दिन तक तीन शिफ्टों में काम कर रहे हैं और कर्मचारियों को अधिक वेतन की पेशकश भी कर रहे हैं। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि वे उन जैसी हथियार प्रणालियों का उत्पादन बढ़ा सकें जिनका रूस प्रतिबंधों के चलते आयात नहीं कर पा रहा है। बहरहाल, रूस का बढ़ता सैन्य खर्च और खोती हुई साख दुनिया को भारत के उस संदेश का महत्व एक बार फिर बताती है जिसके तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि यह युद्ध का युग नहीं है। युद्ध से भले रूस ने यूक्रेन के कुछ इलाके जीत लिये हों लेकिन अपनी सैन्य ताकत का उसे जितना घमंड था वह चूर-चूर हो चुका है। एक छोटे-से देश की सीमित संसाधनों वाली सेना ने जिस तरह विश्व की एक महाशक्ति को डेढ़ साल से उलझा रखा है वह वैश्विक इतिहास की बड़ी घटनाओं में शुमार हो चुका है।

भ्रष्टाचार से निबटने की बजाय विपक्षी एकता पर ध्यान लगा रहे हैं नीतीश, इसलिए बिहार का यह हाल है

बिहार दशकों से भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ को लेकर सुर्खियों में रहा है। बिहार हाईकोर्ट ने लालू यादव के शासन को जंगल राज बताया था। इसकी झलक नीतिश सरकार में बाकी है। बाहुबली आनंद सिंह की जेल से रिहाई के मुद्दे पर नीतिश सरकार की छवि प्रभावित हुई है। विपक्षी एकता के प्रयासों में जुटे बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार की पुल ढहने की घटना ने अच्छी-खासी किरकिरी करा दी। भ्रष्टाचार के मामले में विपक्षी दलों को निशाना बनाने से भाजपा नहीं चूकती। भाजपा पूर्व में भी विपक्षी एकता के प्रयासों पर ऐसे प्रहार करती रही है। विपक्षी एकता के प्रयासों को भ्रष्टाचारियों को बचाने का गठजोड़ बताती रही है। दरअसल, भागलपुर के सुल्तानगंज स्थित अगुवानी घाट गंगा नदी पर 1710 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे निमार्णाधीन फोरलेन पुल का मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 23 फरवरी 2014 को शिलान्यास किया था, मगर अब यह पुल ढह गया। पुल की लंबाई 3.160 किलोमीटर थी। इसका निर्माण 80 प्रतिशत पूरा हो चुका था।

इससे पहले भी यह पुल 27 अप्रैल 2022 को तेज आंधी और बारिश के चलते ढह गया था। इस पुल का कम से कम 100 फीट हिस्सा गिर गया था। बिहार में घटिया निर्माण के कारण पुलों के ध्वस्त होने की यह कोई पहली घटना नहीं है। बीते एक साल में राज्य में 7 बार पुल गिरने की घटनाएं हो चुकीं हैं, लेकिन नीतीश सरकार फिर भी नहीं जागी। विपक्षी एकता के सपने के बूते केंद्र में सत्ता पाने के प्रयास में जुटे नीतिश कुमार बिहार को नहीं संभाल पा रहे हैं। बिहार भ्रष्टाचार और अराजकता के लिए ही नहीं बल्कि अजीबोगरीब घटनाओं के लिए भी सुर्खियों में रहा है। यह बिहार में ही संभव है कि पुल जैसा मजबूत ढांचा महज आंधी से ढह जाए। इसके अलावा भी बिहार में भ्रष्टाचार और अराजकता की ऐसी हास्यादपद घटनाएं हुई हैं। इनसे नीतिश सरकार के तौर-तरीकों पर सवालिया निशान लगते रहे हैं।

किसी भी राज्य में भारी-भरकम रेल के इंजन की चोरी की कल्पना भी नहीं की जा सकती। मगर बिहार में चोर ट्रेन के इंजन को चोरी कर ले गये। बरौनी (बेगूसराय जिला) के गरहारा यार्ड में मरम्मत के लिए लाए गए ट्रेन के डीजल इंजन को एक गिरोह ने चुरा लिया। चोर एक सुरंग माध्यम से आते थे और इंजन के पुर्जों को चुरा लेते थे। इंजन के पुर्जों को बोरियों में भरकर ले जाते थे। इंजन का सिर्फ ऊपरी ढांचा ही रह गया। बिहार है तो ऐसी वारदातें संभव है कि तर्ज पर पंडौल से लोहट चीनी मिल की

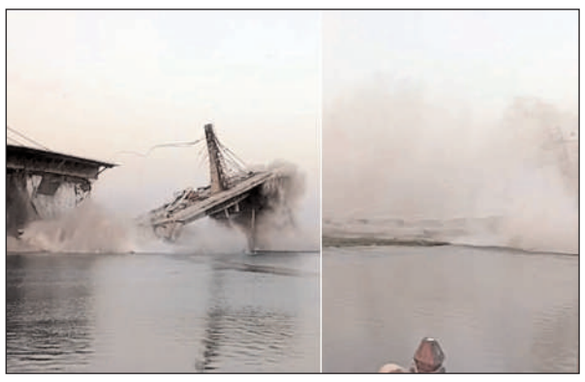

तरफ गई रेल लाइन से दो किलोमीटर पटरी चोरी हो गई है। चीनी मिल के बंद होने के बाद से ही इस ओर रेल सेवाएं बाधित थीं। चोरों ने इसी का फायदा उठाया और वो रेल लाइन से दो किलोमीटर पटरी चोरी कर ले गए। बिहार के बांका जिले से एक लोहे का पुल गायब हो गया। चोरों ने इस पुल का दो तिहाई हिस्सा गैस कटर से काटकर चुरा लिया। लाखों रुपये की लागत से पटनिया धर्मशाला से जोड़ने के लिए इस पुल का निर्माण किया गया था। पुल की लंबाई 80 फीट और चौड़ाई 15 फीट है। भागलपुर के सुल्तानगंज से देवघर में बैद्यनाथ धाम जाने वाले तीर्थयात्रियों (कांवरियों) की सुविधा के लिए इस पुल को बनाया गया था। इससे पहले भी बिहार के रोहतास जिले में लोहे के पुल की चोरी हुई थी। यहां चोरों ने 60 फीट लंबे और 500 टन वजनी लोहे के पुल को गायब कर दिया था। बिहार में अपराधियों को इससे फर्क नहीं पड़ता है कि चोरी का माल कितना भारी और कहां पर स्थित है। भले ही वह स्थान राजधानी पटना ही क्यों न हो। चोरों की हिमाकत है कि मुजफ्फरपुर से मोबाइल का टावर चोरी कर ले गए। इससे पहले राजधानी पटना में भी चोरों ने मोबाइल टावर चोरी कर लिया था।

बिहार दशकों से भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ को लेकर सुर्खियों में रहा है। बिहार हाईकोर्ट ने लालू यादव के शासन को जंगल राज बताया था। इसकी झलक नीतिश सरकार में बाकी है। बाहुबली आनंद सिंह की जेल से रिहाई के मुद्दे पर नीतिश सरकार की छवि प्रभावित हुई है। बिहार सरकार ने जेल कानूनों में संशोधन करके जिला कलक्टर की हत्या के आरोप में सजा काट रहे आनंद सिंह को रिहा करने का मार्ग प्रशस्त किया। राजनीति में भ्रष्टाचार और अपराध का बिहार का पुराना इतिहास रहा है। बिहार की गुलाटी मारती गठबंधन वाली राजनीति में नीतीश ने कई बार गुलाटी खाई है। वर्ष 2017 जुलाई में कलह की वजह को नीतीश ने भ्रष्टाचार के खिलाफ असहिष्णुता बताया था। उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले को वजह बताते हुए मुख्यमंत्री नीतिश ने राजद के साथ गठबंधन तोड़ते हुए कहा था कि उन्हें 'घुटन' महसूस होती है। छह साल बाद उन्होंने राजद से फिर हाथ मिला लिया। तेजस्वी डिप्टी सीएम बने और तेज प्रताप यादव को मंत्री बनाया गया। नीतिश कुमार विपक्षी एकता के प्रयासों के जरिए भारतीय जनता पार्टी को चुनौती देने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ बिहार में लालू के शासन में हुए भारी भ्रष्टाचार और अराजकता की छाप अभी तक बनी हुई है। लालू यादव की पार्टी से सत्ता के लिए किए गए गठबंधन के बाद प्रदेश की छवि बदलने के प्रयासों को झटका लगा है। उस पर भ्रष्टाचार और आपराधिक घटनाएं कोढ़ में खाज साबित हो रही हैं। भाजपा नीतिश सहित अन्य विपक्षी दलों पर सार्वजनिक तौर पर भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था को मुद्दा बनाती रही है। निश्चित तौर पर आगामी लोकसभा चुनाव में भी भाजपा के लिए यह बड़ा मुद्दा होगा। नीतिश सहित विपक्षी दल भाजपा पर ईडी और सीबीआई की द्वेषपूर्ण कार्रवाई का आरोप लगाते रहे हैं किन्तु जब तक इन दलों के दामन पर लगे दाग नहीं हटेंगे तब न सिर्फ एकता के प्रयासों को झटका लगेगा बल्कि भाजपा को भी इनके खिलाफ बोलने का मौका मिलता रहेगा।

परिवार परामर्श केंद्र पर बारह परिवार हुए एक दुजे के , 21 वाद हुए प्रस्तुत

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। परिवार परामर्श केंद्र गाजीपुर द्वारा पुलिस लाइन्स गाजीपुर के प्रांगण में पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह की अध्यक्षता में कुल 21 पारिवारिक विवाद प्रस्तुत हुए। इनमे दिव्यांशी पत्नी दिनेश राजभर निवासी मधुबन, मलिकपुर थाना विरनो गाजीपुर की शिकायत थी कि उसके पति उसके साथ बिना कारण ही मारपीट करते रहते हैं। इसपर पति एवं ससुराल पक्ष के लोगों को समझाकर विदाई करवाई गई।अंकिता गोंड पत्नी अरविंद गोंड निवासी दुखुर्शी थाना मरदह, गाजीपुर की शिकायत थी कि उसके देवर उसके साथ हमेशा छेड़खानी करते रहते हैं। इसकी शिकायत जब पति से करती हूँ तो भी वह ध्यान नहीं देते। इस पर पति व देवर को समझाकर विदाई करवाई गई। रीता देवी पत्नी मनोज बिंद निवासी पहाड़पुर थाना नंदगंज गाजीपुर की शिकायत थी कि उसके ससुराल के लोग उसके बच्चे को पीने के लिए दूध ही नहीं देते हैं। इस पर ससुराल पक्ष के लोगों को समझाकर विदाई करवाई गई। आरजू पत्नी नसीम खान निवासी रूई मंडी चौकी रजागंज गाजीपुर की शिकायत थी कि उसके पति उसके चरित्र पर हमेशा शंका करते रहते हैं। इसपर पति को समझाकर विदाई करवाई गई। तृप्ति देवी पत्नी अंकित यादव निवासी उतरौली थाना रेवतीपुर गाजीपुर की शिकायत थी कि उसके पति मायके से भैंस की मांग करते हैं। इसपर पति को समझाकर विदाई करवाई गई। इमराना बानो पत्नी इफ्तिखार अहमद निवासी पहाड़पुर अतरौली थाना रामापुर मांझा गाजीपुर की शिकायत थी कि उसके पति का अवैध संबंध उनकी भाभी से है। इस पर पति एवं भाभी को समझाकर विदाई करवाई गई। आरती पत्नी संदीप निवासी जलालाबाद थाना दुल्लहपुर गाजीपुर की शिकायत थी कि जसके पति दहेज के लिए उसके साथ मारपीट करते रहते है । इसपर पति को समझाकर विदाई कारवाई गई। जमीला खातून पत्नी सद्दाम अंसारी निवासी जंगीपुर गाजीपुर की शिकायत थी कि उसके पति का अवैध संबंध पड़ोसन से है। इसपर पति को समझाकर विदाई करवाई गई। उमीर्ला देवी पत्नी मोतीलाल निवासी रोहिली थाना नोनहरा गाजीपुर की शिकायत थी कि इसके तवियत खराब होने पर भी पति द्वारा इलाज नहीं करवाया जाता है। इसपर पति को समझाकर विदाई करवाई गई। पूनम देवी पत्नी दिनेश कुमार निवासी सेवराई थाना गहमर गाजीपुर की शिकायत थीं कि उसके पति उसके साथ हमेशा मारपीट करते रहते हैं। इसपर पति को समझाकर विदाई करवाई गई। इसी क्रम में ममता विश्वकर्मा, काजल यादव की भी विदाई करवाई गई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण बलवंत कुमार चौधरी, क्षेत्राधिकारी सदर गौरव कुमार, सरदार दर्शन सिंह, विक्रमादित्य मिश्र, शिवशंकर तिवारी, सरिता गुप्ता, वीरेंद्र नाथ राम, प्रकोष्ठ प्रभारी रेनू यादव, आरक्षी आलेश कुमार, महिला आरक्षी रोली सिंह, महिला होमगार्ड उमीर्ला गिरी, प्रान्तीय रक्षादल गीता आदि प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

पूर्व जिला पंचायत सदस्य एवं हिस्ट्रीशीटर को बाइक सवारों ने मारी गोली

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। नंद नगर थाना क्षेत्र के सहेडी के पास शनिवार की देर शाम अज्ञात बाइक सवार 3 बदमाशों ने बाइक से जा रहे हैं पूर्व जिला पंचायत सदस्य और हिस्ट्रीशीटर अरविंद यादव पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। फायरिंग में बाइक सवार अरविंद यादव के कान के पास से गोली छूकर निकल गई। वही गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए और हो हल्ला करने लगे। जिसकी वजह से बदमाश मौके से फरार हो गए। वही गोली से घायल युवक को आनन-फानन में जिला अस्पताल लाया गया जहां इमरजेंसी में तैनात डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार कर इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कर दिया। इमरजेंसी में तैनात डा0 मिथिलेश यादव ने बताया कि यह डिहिया गांव के रहने वाले अरविंद यादव हैं इनके चेहरे और कंधे के पास चोट लगी है देखने से लग रहा है कि गन शॉट है। फिलहाल स्टेबल है। घायल के बेहतर इलाज के लिए सीनियर डॉक्टर को सूचित कर दिया गया है। फायरिंग में घायल अरविंद यादव पूर्व जिला पंचायत सदस्य रहा है। बताया जा रहा है कि किसी काम से वह रजादी से लौट रहा था कि सहेड़ी के पास अज्ञात बाइक सवार तीन बदमाशो ने फायरिंग की। फायरिंग करने वाले बदमाश सामने आएंगे तो पहचान लेंगे। घटना की वजह पुरानी रंजिश बताई जा रही है। थानाध्यक्ष कमलेश कुमार पाल ने बताया कि घायल के द्वारा तहरीर मिली है। एक नामजद तथा दो अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर छानबीन की जा रही है।

केवी 39 जीटीसी में G- 20, NEP- 20 व FLN पर आधारित जनभागीदारी के तहत वर्चुअल कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रखर वाराणसी। जनभागीदारी कार्यक्रम के अंतर्गत रविवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर जागरूकता (Awareness About NEP2020) विषय पर एक आभासी मीटिंग का आयोजन किया गया।

मुख्य वक्ता श्री के. के. सिंह पीजीटी (भौतिकी) के.वि. वाराणसी कैण्ट ने विस्तृत रूप से पुरानी एवं नई शिक्षा नीति पर आज के परिवेश में तुलनात्मक और ज्ञानवर्धक बातें बताईं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 कि बदलते विश्व पटल के परिवेश में आवश्यकता तथा नई शिक्षा नीति में हुए मुख्य बदलाव पर चर्चा की गई । नई शिक्षा नीति को शिक्षकों द्वारा अपने शिक्षण- कला तथा बच्चों को कक्षा में सिखाने की प्रक्रिया को किस तरह अमल में लाएंगे? परीक्षा व मूल्यांकन की प्रक्रिया में विस्तृत परिचर्चा के साथ-साथ 360° बहुआयामी रिपोर्ट कार्ड पर भी चर्चा की गई। इस आभासी मीटिंग में लगभग 91 लोग शामिल हुए। शिक्षकों, अभिभावकों और बच्चों ने अपने प्रश्न का उत्तर पा कर एवं आपसी संवाद द्वारा अपना ज्ञानवर्धन किया। अंत में समन्वयक एम हसन द्वारा सभी लोगों का आभार व्यक्त किया गया।

महिला मजदूर के ऊपर गिरा बिजली का हाई वोल्टेज तार, महिला झुलसी हालत गंभीर

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। थाना क्षेत्र के ढबही ग्रामसभा अंतर्गत बड़की खोरिया सागहा स्माइल पिंकी के घर के समीप सड़क निर्माण कार्य में मजदूरी का कार्य करने के लिए बिहार प्रांत से आई महिला के ऊपर हाई हाई वोल्टेज तार टूट जाने के कारण महिला बुरी तरह से झुलस गई आसपास के लोगों ने स्थानीय थाने पर सूचना देकर चुनार चौराहा स्थित मेहंदीपुर बाईपास पर एक प्राइवेट चिकित्सालय में दिखलाया जहां चिकित्सकों ने उसका प्राथमिक उपचार किया। तब तक मौके पर पुलिस भी पहुंच गई थी पुलिस ने 108 नंबर एंबुलेंस की सहायता से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा जहां पर चिकित्सकों द्वारा स्थिति नाजुक देख तत्काल वाराणसी स्थित ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार पूजा कुमारी पुत्री नन्हे उम्र 26 वर्ष निवासी दाउदनगर बिहार । अपने गांव के स्थानीय मजदूर साथियों के साथ सड़क निर्माण कार्य में मजदूरी का कार्य करने के लिए अहरौरा थाना क्षेत्र के ढबही ग्रामसभा अंतर्गत बड़की खोरिया सगाहा के समीप मजदूरी का काम करने के लिए आई थी जहां पर रात्रि 8:00 बजे के आसपास पानी लेने के लिए जैसे ही हैंडपंप के समीप पहुंची ऊपर से गुजरे हाई वोल्टेज तार टूट कर अचानक गिर गया। जिससे महिला गंभीर रूप से झुलस गई स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दिया। अहरौरा चुनार चौराहा स्थित एक प्राइवेट चिकित्सालय में उसका इलाज कराया ।पुलिस ने 108 नंबर एंबुलेंस के सहायता से अहरौरा समुदायिक केंद्र इलाज के लिए भिजवाया । जहां पर चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक उपचार कर स्थिति नाजुक देखते हुए वाराणसी स्थित ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया। खबर लिखे जाने तक महिला की स्थिति गंभीर बनी हुई थी।

पुलिस मुठभेड़ में 25000 का इनामीया पशु तस्कर गोली लगने से घायल

दो कांस्टेबल हत्याकांड में वांछित था रमेश चौहान, वर्ष 2007-08 में चौखड़ा के पंचशील दरी पर पशु तस्करों ने किया था दो कांस्टेबलों की हत्या

प्रखर मिजार्पुर। राजगढ़ थाना क्षेत्र के महदेउवा बस्ती में रविवार के भोर में गस्त में निकली पुलिस को देखकर भागने वाले बाइक सवार पशुतस्कर से हुई मुठभेड़ में पच्चीस हजार का इनामीया व कांस्टेबल हत्याकांड मामले में वांछित पशुतस्कर बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस घायल बदमाश को पकड़ कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजगढ़ में भर्ती कराया। जहा हालत गंभीर देख जिला अस्पताल मिजार्पुर रेफर कर दिया गया। पुलिस विधिक कार्रवाई में जुटी हुई हैं। राजगढ़ थाना क्षेत्र की पुलिस रविवार की भोर में चुनार राजगढ़ मार्ग पर गस्त में निकली हुई थी। तभी सामने से एक बाइक सवार पुलिस का वाहन देखकर जंगल की तरफ भागने लगा। पीछा करने पर बदमाश ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस के जवाबी जवाबी फायरिंग में युवक के पैर में गोली लगी वह गिर पड़ा, जिसको पुलिस ने दौड़ कर गिरफ्तार कर लिया। जिसकी पहचान रमेश चौहान 32 वर्ष निवासी रामपुर थाना चांद बिहार के रूप में हुई।

यह बदमाश चौखड़ा जंगल के पंचशील की दरी पर वर्ष 2008 में हुई अहरौरा थाने के दो सिपाहियों की हत्या के मामले में वांछित हैं तथा 25 हजार का इनामीया भी है। पकड़े गए घायल इनामी बदमाश के पास से एक तमंचा 325 बोर, दो खोखा तथा एक बाइक व 8400 रुपया नगद बरामद हुआ है। पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुटी हुई हैं। इस संबंध में थानाध्यक्ष राणा प्रताप यादव ने बताया कि रविवार की रात मुखबीर से सूचना मिली की 25 हजार का इनामी पशु तस्कर चुनार की तरफ से राजगढ़ की तरफ जा रहा है। जिससे सेमरी जंगल के पास घेराबंदी किया गया। रविवार की भोर लगभग 4:25 बजे बाइक सवार पशु तस्कर रमेश चौहान पुत्र स्वर्गीय मंगल चौहान निवासी रामपुर थाना चांद बिहार अपनी बाइक से सेमरी गांव के पास पहुंचा तभी पुलिस की गाड़ी को देख कर बाइक जंगल की तरफ मोड़ कर भागने लगा।

भाग रहे पशु तस्कर का पुलिस ने पीछा किया कुछ दूर जंगल में जाने के बाद बाइक सवार रमेश चौहान बाइक से गिर गया। पुलिस उसे पकड़ने के लिए जैसे ही आगे बढ़ी की बदमाश ने 315 बोर के तमंचा से पुलिस पर दो राउंड फायर झोंक दिया। पुलिस द्वारा किए गए जवाबी फायर में पशु तस्कर रमेश चौहान के दाएं पैर में गोली लग गई। वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया।घायल अवस्था में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजगढ़ में भर्ती कराया गया। जहां हालत गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस विधिक करवाई में जुट गई है।

कोर्ट के आदेश पर बैंक के दो स्टाफ पर एफआईआर दर्ज, मामला 11 लाख गबन का

रसड़ा (बलिया)। जनपद के अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम के न्यायालय के आदेश पर रसड़ा कोतवाली पुलिस ने भारत फाइनेन्शियल इन्क्लूजन लिमिडेड शाखा रसड़ा के प्रबन्धक की तहरीर पर दो फील्ड स्टाफ के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किये जाने की खबर है। खबरों के मुताबिक भारत फाइनेन्शियल इन्क्लूजन लिमिडेड शाखा रसड़ा के द्वारा भारत फाइनेन्सियल इन्क्लुजन लिमिटेड इण्डसइण्ड बैंक शाखा छितौनी (रसड़ा) द्वारा 100 प्रतिशत सब्सीडी के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में महिला सदस्यों का समूह बनाकर उन्हें स्वरोजगार के लिए उनके बैंक खातों के माध्यम से ऋण प्रदान करती है। इसी बैंक शाखा में फील्ड स्टाफ पद पर कार्यरत देवेन्द्र कुमार पुत्र अलगू राम (निवासी कानपुर जमानिया, गाजीपुर तथा आकाश कुमार पुत्र अनिल कुमार निवासी परजीपाह कासिमाबाद, महुआरी गाजीपुर द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में मीटिंग के माध्यम से सप्ताहिक कलेक्शन का कार्य करते थे।

पूर्व सांसद अफजाल अंसारी के बाग के आमों की हुई नीलामी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पूर्व सांसद अफजाल अंसारी की कुर्क की गई भूमि में लगे आम के बगीचे के फलों की नीलामी की गई। भावरकोल विकासखंड के धनेठा गांव में 10 बीघा का आम का बगीचा है। जिसकी तीसरी बार नीलामी तहसील सभागार मोहम्मदाबाद में नायब तहसीलदार विश्राम यादव की देखरेख में हुई। इस बार आम के फलों की नीलामी तहसील प्रशासन ने किसी तरह औने पौने दामों में पूरी कराई मात्र ?1लाख 10हजार में लगभग 40 पेड़ों पर लगे 50 कुंटल आमों की नीलामी प्रक्रिया संपन्न हुई। इस प्रक्रिया में कुल 4 ग्रामीण एवं व्यापारियों ने प्रतिभाग किया था। नीलामी की प्रक्रिया एक लाख से शुरू होकर दूसरी बोली में 1लाख 10हजार पर समाप्त हो गई।अंतिम बोली हरिओम राय निवासी ग्राम माचा ने लगाई जिसे तहसीलदार विश्राम यादव ने फाइनल करते हुए नीलामी की प्रक्रिया को पूरा किया। बताते चलें कि यह नीलामी की प्रक्रिया पिछले 31 मई, फिर 7 जून को भी हुई थी। इन दोनों तारीखों पर नीलामी ना होने पर तीसरी बार 10 जून को तिथि घोषित की गई थी। वही नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने वालों का कहना है कि यदि पहले ही तहसील प्रशासन फलों के रेट के बारे में सही आकलन कर लेता तो आज सरकार को इतना घाटा नहीं उठाना पड़ता। वहीं पहली बार तहसील प्रशासन ने 179 कुंटल आम की पैदावार की नीलामी करने का लक्ष्य रखा था जिसकी कीमत 3 लाख 58 हजार निर्धारित किया गया था। जिस पर मौजूद व्यापारियों ने महंगे रेटों का हवाला देकर दो बार नीलामी की प्रक्रिया से बाहर निकल गए। बगीचे में कुल 70 पेड़ आम हैं जिसमें 45 पेड़ों पर ही फल लगे हैं। जिसकी नीलामी की गई है। इस मौके पर क्षेत्रीय लेखपाल गीता त्रिपाठी, प्रवीण कुमार, संतोष कुमार सहित कोतवाली पुलिस के लोग मौजूद रहे।

भारतीय संस्कृति से ही जुड़ी हैं सबकी जड़ें – डा0 राजीव

सुभाष के राष्ट्रवाद और इन्द्रेश के सम्बन्धवाद से आएगी एकता

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। क्षेत्र के खुटहा में रविवार को आयोजित एक कार्यक्रम में डा राजीव ने कहा कि विशाल भारत संस्थान पूरे देश में मानवीय सम्बन्ध और भावनात्मक रिश्तों को मजबूत करने का अभियान चला रहा है। प्रत्येक क्षेत्र में हिन्दू-मुस्लिम संवाद केन्द्र की स्थापना की जा रही है ताकि व्यवहारिक स्तर पर हिन्दू-मुसलमानों के बीच होने वाले संघर्षो के कारणों का पता लगाया जा सके। विशाल भारत संस्थान द्वारा अहरौरा क्षेत्र के पटिहटा खुटहा गांव में हिन्दू-मुस्लिम संवाद केन्द्र का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि विशाल भारत संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा राजीव श्रीगुरूजी ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीपोज्वलन कर किया। उन्होंने कहा कि विभिन्न धर्म पंथ को मानने वालों को अपनी जड़ों की तलाश शुरू कर देनी चाहिए। सबकी जड़े भारतीय संस्कृति से ही निकली हैं इसलिये हम सभी खून, खानदान, जमीन, जायदाद, पूर्वजों और राष्ट्रीयता से एक हैं। नेताजी सुभाष के राष्ट्रवाद और इन्द्रेश कुमार के सम्बन्धवाद ने देश को भावनात्मक रिश्तों के सूत्र में बांधा है। गांवों और जातियों में हमारी जड़ें हैं, हम इन जड़ों से अलग नहीं हो सकते। धर्म और जाति के नाम पर संघर्ष खत्म करने से ही भारत की एकता और अखंडता बनी रहेगी। पाकिस्तान की हालत को देखकर सबको सबक लेना चाहिए। उसकी कट्टरता और जड़ों से न जुड़ने की वजह से पाकिस्तान बबार्दी की कगार पर है। भारत की राष्ट्रीयता में एकता के सूत्र हैं। हिन्दू-मुसलमानों के बीच संवाद शुरू हो रहा है। संघर्ष के कारणों का पता लगाकर उसको हल करना और आपसी तालमेल को बढ़ावा देना ही संवाद केंद्र का मकसद है। दया, करुणा और प्रेम इंसानियत की अनिवार्य शर्त है। शांति की पहल करने वाला और प्रेम का संदेश देने वाला ही हमेशा याद किया जाता है। आज भारत को विकास के साथ आपसी रिश्तों को मजबूत करने की भी जरूरत है। इस दौरान अनाज बैंक के डिप्टी चेयरमैन ज्ञान प्रकाश, मुस्लिम धर्मगुरु अफसर बाबा, हिन्दू-मुस्लिम संवाद केंद्र के समन्वयक शहाबुद्दीन जोसफ, जौनपुर के जिला चेयरमैन नौशाद, अनाज बैंक के महाप्रबंधक अजय सिंह विजय सिंह, रामदुलार बिंद, नंद नारायण मोदनवाल, अभय त्रिपाठी, महेंद्र सिं उपस्थित रहे। संचालन संस्थान के राष्ट्रीय परिषद सदस्य डा0 मुकेश श्रीवास्तव एवं धन्यवाद राकेश श्रीवास्तव ने ज्ञापित किया।

संक्षिप्त खबरें

पेपर चोरी की तुच्छ घटना सीसीटीवी में कैद, वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल

प्रखर मिजार्मुराद। बड़ी चोरी के पीछे धन प्राप्त करना चोरों का लक्ष्य रहता है, लेकिन इस बात पर विश्वास करना कि कोई अखबार चोरी कर ले यह अटपटा सा लगता है। ऐसा ही एक ताजा मामला कछवा रोड स्थित एक दुकान के सीसीटीवी में कैद हुआ है। कछवा रोड पर एक अलंकार की दुकान पर से पिछले कई दिनों से पेपर (अखबार)चोरी की घटना घटित हो रही थी। दुकान मालिक हो रहे इस घटना से परेशान था, शनिवार की सुबह फिर पेपर गायब हुआ , दुकानदार ने चोर को पकड़ने के लिए आसपास के दुकान व खुद के दुकान की सीसीटीवी देखा, सीसीटीवी में एक व्यक्ति पेपर दुकान में रखता हुआ दिखाई पड़ता है , ठीक उसके कुछ देर बाद एक ही व्यक्ति प्रेस लिखी बाइक पर सवार होकर आता है और वह दुकान में रखे पेपर निकाल कर वहां से रफूचक्कर हो जाता है। अलंकार दुकान के मालिक आनंद कुमार उपाध्याय ने कछवा रोड निवासी आनंद कुमार तिवारी के ऊपर पेपर चोरी का आरोप लगाते हुए मिजार्मुराद थाने पहुंच तहरीर दिया।

प्रभु श्रीकृष्ण का जीवन प्रकृति को समर्पित : पं0 विजय पांडेय

भठही बाबू में श्रीमद्भागवत कथा के दौरान पौधरोपण का आयोजन

प्रखर कुशीनगर। नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु चलाये जा रहे पौधरोपण अभियान के क्रम में रविवार को हाटा विकास खंड के ग्राम सभा भठही बाबू में निर्मला देवी माता अखिलेश मिश्र के यहां चल रहे श्रीमद्भागवत कथा के सातवें दिन अयोध्या धाम से आये कथा व्यास पंडित विजय पांडेय महाराज के सानिध्य में परिजनों व सम्बन्धियों ने आम के पौधे का रोपण कर इसके संरक्षण का संकल्प लिया। पौधरोपण करते पंडित विजय पांडेय महाराज ने कहा कि प्रभु श्रीकृष्ण प्रकृति के सबसे बड़े रक्षक हैं। उनका जीवन प्रकृति को समर्पित था। गोवर्धन पर्वत की रक्षा, गो सेवा और दुर्लभ वनस्पतियों का संरक्षण कर उन्होंने मानव समाज को पर्यावरण के महत्व से अवगत कराया। आज आधुनिकता के प्रभाव में प्रकृति से दूर हो कर अवसाद और तनाव पूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे मानव को प्रभु श्रीकृष्ण से सीख लेने की जरूरत है। उन्होंने नयी दिशा के पौधरोपण अभियान की सराहना भी किया। अखिलेश मिश्र ने आगंतुकों के प्रति आभार प्रकट किया। इस अवसर पर नागेंद्र तिवारी, अशोक दुबे, चंद्रभूषण मिश्र, घनश्याम मिश्र, रमेश मिश्र, उमेश मिश्र, महेश मिश्र, अरुण मिश्र, मनोज मिश्र, हेमंत मिश्र, आनंद मिश्र, अमृकेश मिश्र, अभिषेक मिश्र, अंशु मिश्र, शुभम मिश्र, निधि, जूही, अरविंद तिवारी, अश्वनी मिश्र, अनार देवी, पूजना देवी, निर्मला देवी, पुनीता देवी, सुशीला देवी, गीता देवी, प्रतिभा देवी, पिंकी देवी, किरण देवी, शशिकला देवी, प्रेमलता देवी, सुमन देवी, पुष्पा देवी, अनिता देवी, पूजा तिवारी, नयी दिशा सचिव डॉ0 हरिओम मिश्र इत्यादि उपस्थित रहे।

भागवत कथा ज्ञान और भजन संध्या से बसगित हुआ भक्तिमय

प्रखर आजमगढ़। बसगित स्थित श्री योगेश्वर महादेव मंदिर पर चल रहे दो दिवसीय श्री रामचरित मानस पाठ के समापन पर शनिवार को सायं भागवत कथा ज्ञान और भजन संध्या का भव्य आयोजन पं. विनोद कुमार दुबे की अध्यक्षता में हुआ । इस दौरान काशी की शिवांगी किशोरी की कथा एवं भजनों से श्रद्धालु जन मंत्रमुग्ध हो गए तथा पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर अपने सम्बोधन में अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण सभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री पं. सुभाष चंद्र तिवारी कुंदन ने श्री भागवत कथा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वह भूमि धन्य हो जाती है जहाँ श्री मदभागवत की कथा होती है , उन्होंने कहा कि भागवत कथा के श्रवण मात्र से जीव का कल्याण हो जाता है और वे मोक्ष के अधिकारी हो जाते हैं । संगठन के राष्ट्रीय सचिव और प्रदेश प्रभारी पं. संजय कुमार पाण्डेय ने बसगित के ब्रह्म बाबा को चमत्कारी बताया और कहा कि यह स्थान अत्यंत ऊजार्वान है और यहाँ से सदैव लोगों का कल्याण होता रहता है । अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में विनोद कुमार दुबे ने लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया! संचालन गोपाल कृष्ण दुबे ने किया,मौके पर ब्लॉक प्रमुख रमेश कन्नौजिया, शमानंद पाण्डेय, अशोक कुमार तिवारी, अभिषेक पाण्डेय, महंत संजय पाण्डेय, कृष्ण कांत दुबे, गौरव दुबे, प्रभाकर दुबे, राजेश उपाध्याय सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे। अंत में लोगों ने भंडारा का प्रसाद ग्रहण किया।

डिवाइडर से टकराई डीसीएम में लगी आग, ड्राइवर ने कूदकर बचाई जान

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। गोरखपुर वाराणसी फोरलेन पर शनिवार की देर रात रामपुर माझा थाना क्षेत्र के देवकली बाजार में डिवाइडर से टकराकर डीसीएम पलट गई। और उसमें आग लग गई। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस और फायर बिग्रेड के लोगों ने बड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया। मिली जानकारी के अनुसार गोरखपुर वाराणसी फोरलेन पर देवकली बाजार में शनिवार की देर रात दूध ले जाने वाली खाली डीसीएम डिवाइडर से टकराकर बीच सड़क पर पलट गई।पलटने की वजह से उसमें आग लग गई और धू धू कर जलने लगा। आग लगने के बाद डीसीएम का टायर एक-एक कर जलकर धमाके करने लगा। हादसा होते ही चालक ने वाहन से कूद कर अपनी जान बचाई।

सैदपुर विधानसभा में भाजपा संयुक्त मोर्चा का सम्मेलन संपन्न

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सेवा सुशासन और गरीब कल्याण कार्य के नव वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में सैदपुर विधानसभा के भाजपा कार्यालय पर समस्त मोर्चा के अध्यक्षों के उपस्थिति में संयुक्त मोर्चा सम्मेलन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह जी ने किया। संचालन पिछड़ा मोर्चा जिला अध्यक्ष मनोज बिंद द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विशाल सिंह चंचल ने केंद्र सरकार व उत्तर प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में बृहद चर्चा किया। वर्तमान में चल रही भारतीय जनता पार्टी की सरकार में गुंडे मवाली सभी जेल के अंदर हैं। भारतीय जनता पार्टी सबका साथ सबका विकास का नारा देकर आम जनमानस में एक भरोसा कायम करने का कार्य किया। जिसके अंतर्गत व्यापारी समाज से लेकर आम जनमानस तक वर्तमान सरकार की गुणगान कर रहा है। मोदी सरकार ने पिछले नौ वर्षों में बेहतर कार्य कर लोगों के जीवन में परिवर्तन ला दिया है।

रहस्यों का होगा खुलासा

डिज़्नी+ हॉटस्टार ने हॉटस्टार स्पेशल्स द नाइट मैनेजर, पार्ट 2 के ट्रेलर की घोषणा कर दी। 30 जून को जॉन ली कैरी के उपन्यास 'द नाइट मैनेजर' का हिन्दी रूपांतरण आएगा। जिसका निर्माण द इंक फैक्ट्री और बनिजय आसिया ने किया है। सीरीज के रचनाकार तथा निर्देशक हैं संदीप मोदी , दूसरी निर्देशक हैं प्रियंका घोसे। इसमें शामिल हैं अनिल कपूर, आदित्य रॉय कपूर, सोभिता धुलीपाला, तिलोतमा शोम, सास्वता चटर्जी और रवि बहल। अनिल कपूर ने कहा, 'दूसरे भाग में नए रहस्यों के खुलासे के लिए तैयार हो जाइए, जो चौंका देगा। शैली और शान मिल रहे हैं, लेकिन संदीप ने सचमुच चालाक और धूर्त दिमाग वाला किरदार गढ़ा है। वाकई में मजा आएगा।

ढोल बजाया अदिति ने

जीटीवी के शो 'रब से है दुआ' में इस किरदार को निभाने वाली अदिति शर्मा न सिर्फ गिटार, यूकेलेली, ड्रम और पियानो बजाना जानती हैं बल्कि ड्रम में भी हाथ आजमाती नजर आईं। अदिति बताती हैं, 'मुझे बचपन से ही अलग-अलग म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स सीखना बहुत पसंद रहा है। जब हम सेट पर ढोल के साथ शूटिंग कर रहे थे तो मैं इसे बजाए बिना नहीं रह पाई। यह बड़ा मजेदार था। मैं कुछ म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स बजाना जानती हूं, जो मैंने अपने स्कूल के दिनों में सीखे थे। जहां गिटार फैंसी है, वहीं ढोल देसी है। असल में जब भी मैं लड़कियों को ढोल बजाते हुए देखती हूं तो मैं बहुत प्रेरित होती हूं।

विजय तिलानी अनूठे किरदार में

विजय तिलानी स्टार भारत के शो 'ना उम्र की सीमा हो' में नजर आएंगे। विजय विक्रम के किरदार में आएंगे, जो चित्रा के पति और देव के बहनोई हैं। विजय ने बताया, 'मैं काफी इंट्रेस्टेड था, तो मैं इसे कैसे मना कर सकता था। मेरे लिए यह शानदार अवसर है। मैं पहली बार ग्रे शेड किरदार में नजर आऊंगा। जो मेरी पिछली भूमिकाओं से काफी हटकर हैं। यह पहला ग्रे शेड किरदार है इसलिए यह नया है।

खुद शूट किया रचना ने

रचना मिस्त्री स्टार भारत के शो 'ना उम्र की सीमा हो' में लीड किरदार निभा रही हैं, रचना एक्टिंग के अलावा निर्देशन के मानदंडों पर खरी उतरती हैं। रचना बताती हैं, 'शो में मेरे पैरों को चलते हुए फिल्माया जाना था और सूरज की रोशनी पड़ने से यह शॉट नहीं लिया जा सकता था। वह शॉट कैंसल करना पड़ता या मुझे खुद इसे शूट करना पड़ता। कैमरे का वजन तकरीबन 25 किलो था, इसमें लाखों के कैमरा का नुकसान होने का डर भी था चूंकि यह काफी भारी था। फिर मैंने निश्चित किया कि मैं शूट करुंगी और कैमेरा संभालूंगी।

शिव बने अर्जुन

जीटीवी शो प्यार का पहला अध्याय शिव शक्ति पेश करने जा रहा है। आध्यात्मिक नगरी वाराणसी में रचा-बसा यह शो प्यार की खूबसूरत कहानी है, जिसमें शिव-शक्ति के रिश्ते का आधुनिक स्वरूप प्रस्तुत किया जाएगा। अर्जुन बिजलानी 30 वर्षीय न्यूरोसर्जन 'शिव' के रूप में नजर आएंगे। जो पिछली घटनाओं के कारण टूट गया है। अर्जुन ने कहा, 'यह वाकई दिलचस्प और अनोखी कहानी है, जिसमें बहुत-से ट्विस्ट्स हैं। जिस तरह से शिव का किरदार लिखा गया है, वो मुझे बहुत अच्छा लगा।

ये जोड़ा कियारा के जोड़े जैसा

जीटीवी का 'कुमकुम भाग्य' में जबर्दस्त ड्रामा चल रहा है। दुल्हन के रूप में मुग्धा के लुक की काफी तारीफें हो रही हैं। मुग्धा का लुक पॉपुलर एक्ट्रेस कियारा आडवाणी के फेमस ब्राइडल लुक से काफी मिलता-जुलता है। मुग्धा चाफेकर बताती हैं, 'दुल्हन की तरह ड्रेस अप होना, मेरे लिए नया अनुभव नहीं है लेकिन सभी को मेरा जोड़ा कियारा आडवाणी के वेडिंग लुक की तरह लगा।'

काल भैरव का रहस्य

राहुल शर्मा और इकबाल खान 'काल भैरव रहस्य' सीजन 1 के दोबारा प्रसारण को लेकर बहुत उत्साहित हैं। राहुल शर्मा कहते हैं, 'काल भैरव रहस्य' सीजन 1 के स्टार भारत पर दोबारा प्रसारित होने पर मैं बहुत उत्साहित हूं। यह मेरे दिल के बहुत करीब है। इसने मेरे जीवन में गहरा परिवर्तन लाया है क्योंकि मैं सात वर्षों से भक्तिपूर्वक 'काल भैरव' बाबा की पूजा कर रहा था। मैं उनका आभारी हूं।'

हिमानी शिवपुरी की सफलता के मायने

हिमानी शिवपुरी एंडटीवी की घरेलू कॉमेडी 'हप्पू की उलटन पलटन' में कटोरी अम्मा की भूमिका निभा रही हैं। उन्हें कई रिकॉर्डतोड़ ब्लॉकबस्टर्स फिल्मों में अपनी दमदार भूमिकाओं के लिए जाना जाता है। उनसे हुई बात के कुछ अंश-

ऐक्टिंग कॅरियर - उत्तराखंड के दून स्कूल में पढ़ते वक्त ड्रामा के लिए मेरा जुनून बढ़ने लगा था और मैं थियेटर की गतिविधियों में सक्रियता से भाग लेती थी। केमिस्ट्री में एमएससी करने के दौरान, हमारे कॉलेज में नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) का वर्कशॉप हुआ। उस पल मुझे लगा कि एक्टिंग ही मेरा रास्ता है, मैंने उसमें कॅरियर बनाने का फैसला किया।

ज्यादा पसंद भूमिका- स्क्रीन या थियेटर्स में मैंने जो भी किरदार निभाया है, उसका भावनात्मक महत्व है। 'हमराही' फिल्म में देवकी भौजाई, जिसके गहराई और बारीकियों से भरे किरदार में मैंने खुद को डुबो दिया, मेरे भीतर कई तरह की भावनाएं उमड़ने लगीं। प्यारी क्लासिक फिल्म 'हम आपके हैं कौन' की रजिया बेगम, जिसमें मेरा किरदार मजबूत इच्छाशक्ति वाला और असरदार था। इसके अलावा ब्लॉकबस्टर 'दिल वाले दुल्हनिया ले जाएंगे' में कम्मो के प्यार से भरे किरदार ने मुझे मासूमियत और खूबसूरती का खुशनुमा संगम दिखाने की इजाजत दी।

पसंदीदा जॉनर- वैसे मैं खुद को किसी जॉनर में सीमित नहीं रखती। मुझे विभिन्न जोनर्स में डूब जाने से बड़ा मजा और संतोष मिलता है। चाहे कॉमेडी का हल्का-फुल्का अंदाज हो, नाटक हो या रोमांचक कहानी का रहस्य। मुझे विभिन्न भूमिकाओं को निभाना, अपनी विविधता दिखाना अच्छा लगता है।

चुनौतीपूर्ण पहलू- सार्वजनिक जीवन में होने के सबसे मुश्किल पहलूओं में से है ट्रोल्स और आलोचना का सामना करना। आप कुछ भी करें, लोग हमेशा अपनी राय जरूर रखेंगे। फीडबैक पॉजिटिव या निगेटिव हो सकता है लेकिन मैं दोनों को ही स्वीकार करती हूं।

सबसे ज्यादा प्रभाव- मेरे दिवंगत पति ज्ञान शिवपुरी का मेरे जीवन और कॅरियर पर सबसे बड़ा प्रभाव रहा है। उन्होंने नाटकों और थियेटर की आराम वाली जिन्दगी से मुझे बाहर निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और बॉलीवुड फिल्मों में आने के लिए प्रोत्साहित किया। उनसे लगातार प्रेरणा मिलने और मेरी क्षमताओं पर उनके भरोसे ने मुझे नए मौके अपनाने और फिल्म इंडस्ट्री का रोमांचक सफर शुरू करने की प्रेरणा दी।

ऐक्टिंग के अलावा- ऐक्टिंग के अलावा, राइटिंग और डायरेक्टिंग मेरे असली जुनून हैं। मैं पूरे दिल से नए-नए रचनात्मक कामों को एक्स्प्लोर करती हूं।

बॉलीवुड

लौट रहा है रियलिटी शो डांस +

डांसिंग का हुनर दिखाने और सही धुन पर नाचने का डांस रियलिटी शो डांस+ लौट रहा है डिज्नी+ हॉटस्टार पर। इसमें मशहूर डायरेक्टर कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा सुपर जज के रूप में नजर आएंगे। रेमो ने कहा, 'डांस+ मेरे दूसरे घर की तरह है, हर बार यहां आकर मुझे खुशी होती है। हमें जो टैलेंट मिलता है, वह बेमिसाल होता है। आज की पीढ़ी के लोगों में डांस के प्रति ऐसा प्यार एवं जुनून देखकर मुझे गर्व होता है। हम डांस का भविष्य दिखाएंगे। मुझे भरोसा है कि लोग भविष्य में जिस डांस की कल्पना करते हैं, वही चीज आज दिखाएगा।'

डांस करेंगे अमोल पराशर

अमोल पाराशर की कॉमेडी टाइमिंग अलग जगह बना ली है, उन्होंने पिछले साल ट्रिपलिंग 3 में अपने कैरेक्टर चितवन के रूप में वापसी के साथ समाप्त किया। अब अमोल 'नौसिखिए' के साथ लोगों को एंटरटेन करने के लिए तैयार है। अमोल वाली फिल्म 'नौसिखिए' में पहली बार पर्दे पर एनर्जेटिक डांस नंबर पर परफॉर्म करते नजर आएंगे। वे कहते हैं, 'नौसिखिए' में गाने की शूटिंग करना शानदार अनुभव था, क्योंकि हम फिल्म में वेडिंग क्रैशर प्ले कर रहे हैं। हमें गाने में कुछ जगहों पर फ्रीस्टाइल डांस करने के लिए ब्रीफ दिया गया था। जो कुछ इस तरह था, जैसे आप शादी में या सड़क पर जुलूस के दौरान डांस करते हैं। इस तरह गाने के लिए खुद के डांस स्टेप्स बनाना मजेदार था, यह सुनिश्चित करते हुए कि यह मजेदार और मनोरंजक लगे।

सही विकल्प एंडी मुशिएती व मिलर

वार्नर ब्रदर्स पिक्चर्स डीसी यूनिवर्स की रोमांचक फिल्म 'द फ्लैश' रिलीज होने वाली है। जिसका निर्देशन डायरेक्टर एंडी मुशिएती ने किया है। डीसी सुपर हीरो की पहली स्टैंडअलोन फीचर फिल्म में एज्रा मिलर प्रमुख किरदार (द फ्लैश /बैरी एलेन) को दोहराएंगे। एज्रा कहते हैं, 'एंडी ऐसे डायरेक्टर हैं, जो इतने प्रतिभाशाली हैं कि उन्हें इमोशनल एलिमेंट्स की बहुत गहरी समझ तो है ही साथ ही उनके पास बेहतरीन सेन्स ऑफ ह्यूमर भी है। वह समझते हैं कि विजुअल इफेक्ट्स के मामले में इस दुनिया को कैसे जीवंत किया जाना है।'द फ्लैश' में राइजिंग स्टार बेन एफ्लेक, साशा काले, माइकल शैनन, रेन लिविंगस्टन, मारिबेल वेरडू, किर्से क्लेमन्स, एंटजे टू और माइकल कीटन भी नजर आएंगे।

कच्चे लिम्बु को याद करती राधिका मदान

राधिका मदान ने सोशल मीडिया पोस्ट में क्रिकेट की बचपन की यादों को बांटते हुए कच्चे लिम्बु के लिए अपनी तैयारी और यात्रा का खुलासा किया। किसी भी फिल्म की वास्तविक शूटिंग शुरू होने से बहुत पहले ही किरदार के लिए तैयारी शुरू हो जाती है। राधिका की फिल्म 'कच्चे लिम्बु' ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है। राधिका ने वीडियो शेयर किया। उन्होंने कहा, 'आप में से बहुत से लोग मुझसे अदिति की तैयारी के बारे में पूछ रहे थे.. अपने बचपन को फिर से जीने का मौक मिला, क्रिकेट के लिए मेरे लंबे खोए हुए प्यार को फिर जाग कर, बेफिक्र होने जितना सुरक्षित महसूस कर संकु।

अमरीश पुरी के पोते वर्धन का इंतजार

सनी देओल और अमरीश पुरी ने हिंदी सिनेमा को अब तक की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से गदर: एक प्रेम कथा दी। 22 साल बाद इस फिल्म का सीक्वल बन रहा है, जो अगस्त में रिलीज होगा। अमरीश पुरी के पोते वर्धन पुरी इसे लेकर भावुक और उत्साहित हैं। गदर की रिलीज के बारे में बात करते हुए वर्धन कहते हैं, 'यह जानकर बहुत खुशी हुई कि गदर 22 शानदार वर्षों के बाद सिनेमाघरों में फिर से रिलीज हो रही है। अनिल शर्मा ने फिल्म में एक बार फिर से डॉल्बी एटमॉस साउंड इफेक्ट से महारत हासिल की है। मैं परिवार के साथ इसके नए संस्करण में देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। वे आगे कहते हैं, 'मुझे अभी भी याद है, जब हमने गदर को मुंबई में स्पेशल प्रीव्यू में देखा था तो हमारे पास अपनी फीलिंग्स को जाहिर करने के लिए शब्द नहीं थे। यह 'लगान' के साथ रिलीज हुई थी, जो बेहतरीन फिल्म थी। वर्धन कहते हैं, मेरे दादाजी को न केवल भारत से बल्कि पूरी दुनिया से, विशेष रूप से पाकिस्तान से बहुत प्यार और सराहना मिली। फिल्म को फिर से रिलीज करने का विचार बहुत ही अनूठा है, बड़ी सफलता होगी क्योंकि फिल्म में बहुत सारी भावनाएं हैं।

सतीश करेंगे अभिनय की शुरुआत

शेमारू उमंग का 'कुंडली मिलन' निर्देशक और अभिनेता सतीश दत्त के करियर में महत्वपूर्ण साबित हुआ। दत्त अब इसमें कैमरे का सामना करने के लिए तैयार हैं। दत्त ने बताया, 'इंडस्ट्री में निर्देशक, रचनात्मक निर्देशक, लेखक और एडिटर के रूप में 30 साल बिताने के बाद, मैंने फिर से अभिनय की शुरुआत की है। मैंने हर स्तर पर काम किया है, असिस्टेंट डायरेक्टर, डायरेक्टर और चीफ असिस्टेंट डायरेक्टर तक। मैं फिलहाल पचास के दशक में हूं और जीवन के इस नए पड़ाव का लुत्फ उठा रहा हूं। मैं भी मशहूर होना चाहता हूं।

बाल बाल बचे फ्रेडी दारूवाला

फ्रेडी दारूवाला एक्शन से भरपूर भूमिकाओं के लिए जाने जाते हैं परन्तु कश्मीर में अपने नए प्रोजेक्ट के लिए स्टंट शूट के दौरान मौत को उन्होंने बहुत करीब से देखा। दारूवाला की हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज 'क्रैकडाउन एस2' में जबरदस्त स्टंट ब्रिज पर परफॉर्म करना था। अभिनेता को ब्रिज के नीचे पुल अप करना था, जिसे ड्रोन शॉट को कैप्चर करना था। निर्देशक अपूर्व लखिया समझ गए थे कि इस स्टंट में काफी जोखिम है इसलिए उन्होंने स्टूडियो में शूट करने की योजना बनाई परन्तु फ्रेडी असहमत थे। उन्होंने कहा कि वह इसे वास्तविक समय और लाइव स्थानों पर परफॉर्म करना चाहते हैं। कश्मीर में शूटिंग के दौरान तापमान जीरो डिग्री से भी कम था, फ्रेडी ने शर्टलेस होकर इस स्टंट को शूट किया। उनके हाथ जम गए थे, अभिनेता 35 फीट से ठंडे ठंडे पानी में गिर गए। उनकी पीठ, पैर और कंधों पर चोटें आईं।

पुष्पा मुझे प्रेरित करती है : करुणा पांडे

सोनी सब का शो 'पुण्या इम्पॉसिबल , पुण्या (करुणा पांडे) के इर्द-गिर्द की कहानी है। पुण्या अपने अदम्य उत्साह और आशावादी दृष्टिकोण के साथ सभी बाधाओं को पार करती है। शो ने एक साल पूरा कर लिया। करुणा पांडे ने कहा, 'यह साल बेहद संतोषजनक रहा है। यह किरदार संकट में फंसी किसी साधारण लड़की के बारे में नहीं है। यह ऐसी महिला के बारे में है, जो अपने और अपने परिवार को सुरक्षित भविष्य प्रदान करने के लिए सभी बाधाओं के खिलाफ खड़ी है। पुष्पा मुझे और कई महिलाओं को प्रेरित करती है और सिखाती है कि अपने सपनों को कभी न छोड़ें।'

योगेश त्रिपाठी का दोस्त

योगेश त्रिपाठी ऊर्फ दरोगा हप्पू सिंह तरह-तरह के मजेदार काम करते रहते हैं। उन्होंने कहा, 'मेरा किरदार हप्पू सिनोफोबिया का शिकार है। इसमें इंसान को कुत्तों से डर लगने लगता है। हप्पू के मन में यह डर उसके पिछले अनुभवों के कारण बैठा हुआ है। कमिश्नर अपने शरारती डॉग राजू को संभालने की जिम्मेदारी हप्पू को सौंपते हैं। मुझे डॉग्स बहुत पसंद हैं इसलिए इसके साथ शूटिंग करने में मुझे बहुत मजा आया।

इतना बढ़िया सह-कलाकार तो मुझे आज तक नहीं मिला था। (हंसते हुए) राजू सुपरस्टार है, बहुत ही प्यारा और सावधानी से प्रशिक्षित। राजू के साथ शूटिंग धमाकेदार रही, उसमें चुनौती के साथ-साथ खुशियां भी थीं। उसके साथ ऐसा व्यवहार किया गया, जैसे वह कोई राजा-महाराजा हो। हमने राजू को प्यार दिया, उसकी देखभाल की और वह सबसे ज्यादा प्यार पाने वाले सदस्यों में से बन गया।

कविता का मजेदार किस्सा

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के 'द कपिल शर्मा शो' में पंजाबी कॉमेडी फिल्म 'कैरी ऑन जट्टा 3' के कलाकारों का स्वागत किया गया। जिनमें सोनम बाजवा, गिप्पी ग्रेवाल, विन्नू ढिल्लों, कविता कौशिक, गुरप्रीत घुग्गी, जसविंदर भल्ला और डायरेक्टर स्मीप कांग जिंदगी के दिलचस्प किस्से भी बताए।होस्ट कपिल शर्मा कविता कौशिक से जाना कि भारतीय टेलीविजन के पॉपुलर शो में क्या कभी किसी ने उन्हें गलती से असली पुलिस इंस्पेक्टर तो नहीं समझ लिया था? कविता ने बताया, 'मेरे साथ यह कई बार हो चुका है। जब भी मैं राजस्थान में अपने पापा के गांव जाती थी, तो लोग समझते थे कि मैं सचमुच पुलिस ऑफिसर हूं। वे मेरे पास बच्चों की शिकायतें लेकर आया करते थे।' इसके बाद कपिल बड़े मजाकिया अंदाज में कविता की टांग खींचते हुए कहा कि जो लोग हेलमेट नहीं पहनते थे, वे इसी चक्कर में कविता को खुद से 1000 रुपए देते थे।

उर्फी और रोहन आए एकसाथ

रोहन मेहरा और ऊर्फी जावेद जल्द ही साथ नजर आने वाले हैं,'इंस्टा मिलियनेयर' नामक ऑडियो सीरीज के लिए ये साथ आ रहे हैं। दोनों ने 'इंस्टा मिलियनेयर' के लिए प्रोमो शूट किया। जिसमें रोहन और उर्फी, लकी और डिंपल के किरदार में हैं, जो एकदूसरे से बिलकुल अलग हैं, रोहन ने कहा, 'मेरे कॉलेज के दिनों में, मेरी प्रेमिका थी, जिसे खुश करने के लिए मैं किसी भी हद तक जा सकता था। जबकि मैंने सोचा था कि रिश्ते में आने के बाद चीजें बदल जाएंगी, मेरे प्रयास कई गुना बढ़ गए। उसके लिपस्टिक के खर्च ने मेरी पूरे महीने की पॉकेट मनी खा ली। मेरी आर्थिक तंगी और गरीबी से निराश होकर उसने मुझे किसी और के लिए छोड़ दिया। लेकिन यह निराशाजनक कहानी नहीं है क्योंकि कहानी में बड़ा ट्विस्ट तब आता है। जब उसे पता चलता है कि जिस लड़के को उसने अपने साथी के रूप में चुना था, वही अब मेरे ड्राइवर के तौर पर काम करता है।'

बेस्ट फ्रेंड को लेकर कलाकारों ने की बात

चाहे वे पास हों या दूर, पुराने हों या नए, बेस्ट फ्रेंड अपने दोस्तों के लिए हमेशा मौजूद रहता है। जिंदगी तो चलती रहती है, इसमें कभी-कभी अच्छे दिन होते हैं और कभी हम खराब वक्त से गुजर रहे होते हैं लेकिन बेस्ट फ्रेंड की मौजूदगी से सारी चीजें बेहतर हो जाती हैं। कहते हैं, फ्रेंड्स वह फैमिली होती है, जिन्हें हम चुनते हैं' और बेस्ट फ्रेंड जैसा और कोई नहीं होता, कलाकारों ने अपने बेस्ट फ्रेंड के बारे में की बात-

रीम समीर शेख- मैं भाग्यशाली हूं कि मेरी मां मेरी सबसे अच्छी सहेली हैं। मैंने कभी भी अपनी मां को किसी हुक्म चलाने वाले शख्स के रूप में नहीं देखा क्योंकि वह सबसे अच्छे थीं और आज भी हैं। वह मेरे सभी

दोस्तों की दोस्त हैं, जो उन्हें बहुत पसंद करते हैं। कभी भी किसी विशेष परिस्थिति या किसी व्यक्ति को लेकर उनका निर्णय गलत साबित नहीं हुआ। जब मैं बच्ची थी तो हमारा रिश्ता अलग था क्योंकि वह चाहती थी कि मैं अनुशासित रहूं।

शिव ठाकरे - मुझे कभी नहीं लगा था कि अब्दु (रोजिक) और मैं कुछ ही महीनों में बेस्ट फ्रेंड बन जाएंगे। मुझे लगता है कि हमने बिग बॉस 16 में जो समय साथ बिताया था, वह सालों समय बिताने के समान था। भाषा की बाधा के बावजूद, अब्दु बातें करने में बेहतरीन साबित हुआ है। यह उसकी सुपरपावर है। वह लोगों को बहुत अच्छे से गले लगाता है और यही बात उसकी मासूमियत दर्शाती है। मेरा परिवार उसे बहुत पसंद करता है।

न्यारा एम बनर्जी - 'मेरा सबसे अच्छा दोस्त मेरा भाई है, जो मेरा सबसे बड़ा चीयरलीडर है। वह मेरे प्रति बिना कोई नजरिया बनाए मेरी बातें सुनता है और बहुत उत्साह से मेरी जीत का जश्न मनाता है। हमारा रिश्ता इतने सालों में एक-दूसरे पर किए गए रोमांच और अंदरूनी जोक्स से मजबूत हुआ है।

एश्वर्या खरे - भाग्य लक्ष्मी की शुरुआत से ही रोहित और मैं बहुत अच्छे दोस्त रहे हैं। मुझे लगता है कि यह दोस्ती हमेशा बनी रहेगी। हमारे हिस्से में भी कई उतार-चढ़ाव आए, लेकिन हमारा रिश्ता जरा भी नहीं बदला। रोहित बड़ा सच्चा इंसान है और वह जिंदगी की हर स्थिति में मुझे गाइड करता है।

अंकित गुप्ता - मैं बहुत बातूनी नहीं हूं, मैं किसी के साथ भी जबरदस्ती दोस्ती करने की कोशिश नहीं करता। इसलिए मेरे कुछ ही लेकिन पक्के दोस्त हैं। प्रियंका चौधरी मेरी सबसे अच्छी

दोस्त है, जिसने मुझे बहुत कुछ सिखाया है। वह बड़ी बहन के तौर पर अपनी जिम्मेदारी निभाती है, यह काफी प्रेरणादाई है।

कृष्णा कौल - बेस्ट फ्रेंड डे दोस्ती के बेमिसाल रिश्ते को सेलिब्रेट करने का शानदार मौका होता है। चूंकि मुझे अपर्णा मिश्रा के रूप में बेस्ट फ्रेंड मिली है, जो हमेशा मेरी उदासी को खुशी में बदल देती है। वह मुझे हंसाती है और हर अच्छे-बुरे वक्त में मेरा साथ देती है। उस खास इंसान को यह बताना चाहिए कि हमारे लिए उसकी क्या अहमियत है।

भाविका चौधरी - बेस्ट फ्रेंड वे लोग हैं, जिन पर हम हमेशा भरोसा कर सकते हैं। मैंने श्रेनु पारिख के रूप में ऐसा ही दोस्त बनाया है। जब मैं उसके साथ होती हूं तो ऐसा

लगता है जैसे मैं घर से दूर रहकर भी अपने घर पर हूं। जब से मैं और श्रेनु साथ हैं। हमारे बीच अनोखा रिश्ता है।

बालासोर रेल हादसे ने फिर बताई

बीमा की अहमियत

यात्रा देश में करनी हो या विदेशों में, यात्रा के दौरान अनपेक्षित, आकस्मिक नुकसान होने का अंदेशा रहता है जिसकी हम कभी कल्पना भी नहीं करते। यात्रा बीमा सभी बीमाधारक को इन संभावित जोखिमों से आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता है। बालासोर रेल हादसे ने एक बार फिर बीमा की अहमयित को बताया है। भारतीय रेल भी अपने यात्री को आनलाइन टिकट बुक कराने पर चंद सिक्कों के सिंगल प्रीमियम पर दस लाख रुपए तक का जोखिम कवर प्रदान करती है

अपूर्व कुमार दत्त

बीमा विशेषज्ञ

'बीमा बेमिसाल है, इसका कोई विकल्प नहीं,' यह स्लोगन वर्षों से प्रचलित है। पिछले दिनों बालासोर, ओडिशा में हुए रेल ह्रादसे में 288 लोग अचानक ही काल के गाल में समा गए। वैसे तो इस तरह की दुर्घटनाओं, दंगों, बाढ़, भूकंप, तूफ़ान आदि के ह्रताहतों के परिजनों को पीएमएनआरएफ (प्रधानमंत्री नेशनल रिलीफ फण्ड) से उचित मुआवजा मिल ही जाता है लेकिन जिन लोगों ने किसी तरह का टर्म इंश्योरेंस, अन्य किसी तरह का जीवन बीमा प्लान या दुर्घटना बीमा कराया ह्रोता है उनको ऐसी स्थिति में कुछ अतिरिक्त आर्थिक मदद मिल जाती है। दुर्घटना में मरने वाला व्यक्ति तो लौट कर नहीं आ सकता लेकिन इस तरह की बीमा पालिसियों से मृतक के परिजनों को आर्थिक मदद जरूर मिल जाती है। आइए आज हम यह जानने की कोशिश करते हैं कि इस तरह के ह्रादसों में हुए नुकसान की भरपाई के लिए कौन सी बीमा पालिसी ज्यादा उपयोगी साबित ह्रो सकती है। साथ ही हम यह भी बताएंगे कि जिन लोगों के पास किसी भी तरह की बीमा पालिसी नहीं ह्रोती है अगर उनका किसी रेल दुर्घटना में निधन ह्रो जाता है या आंशिक या पूर्ण विकलांगता ह्रो जाती है तो उनके परिजन भी बीमा कवर के लिए क्लेम कर सकते हैं। साथ ही यह भी बताएंगे ह्रादसों से हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई के लिए कौन सी बीमा पालिसी बेह्रतर है।

टर्म इंश्योरेंस सबसे अहम

हर व्यक्ति के लिए जीवन बीमा पालिसी लिया जाना जरूर ह्रोता है। जीवन बीमा पालिसी में कई अलग-अलग तरह की पालिसियां शामिल की गई हैं। लेकिन यह्रां पर हम आपको कुछ अह्रम पालिसी के बारे में ही बताएंगे। जीवन बीमा पालिसी की श्रेणी में सबसे अह्रम ह्रोता है टर्म इंश्योरेंस प्लान। इस तरह के प्लान में बीमाधारक का आजीवन कवर शामिल ह्रोता है और उसकी मृत्यु की स्थिति में परिजनों को एक बड़ी रकम मिलती है जिससे उनके सामने आर्थिक संकट नहीं पैदा ह्रोता। इस प्लान में जोखिम कवर की रकम काफी ज्यादा ह्रोती है या यूं कह लीजिए कि करोड़ों में ह्रो सकती है। इस तरह की पालिसी में प्रीमियम भी काफी कम ह्रोता है।

सिर्फ कन्फर्म टिकट पर बीमा देती है रेलवे

ऐसा नहीं है कि आपने ऑनलाइन रेल यात्रा टिकट कट्य लिया तो आप ट्रेवल इंश्योरेंस के हक़दार ह्रो गए। यह ट्रेवल इंश्योरेंस केवल कन्फर्म टिकट और आरएसी टिकट धारकों को ह्रीं मिलेगा। दूसरा यह कि एक पीएनआर नम्बर से जितने भी टिकट बुक ह्रोंगे यह सभी यात्रियों के लिए सामान रूप से लागू रहेगा।

जीवन बीमा की अन्य पालिसियां

बीमा कंपनियों द्वारा जीवन बीमा से जुड़ी कई अन्य पालिसियां चलाई जा रह्री हैं। इस तरह की बीमा पालिसियों में विभिन्न प्रकार के जोखिम कवर को शामिल किया गया है। जिनमें मृत्यु का जोखिम कवर, विकलांगता, आंशिक विकलांगता व अन्य कई प्रकार के जोखिम कवर शामिल ह्रोते हैं। इसमें बीमा कवर की राशि बीमाधारक द्वारा लिए जाने वाले कवर पर आधारित ह्रोती है। जितना ज्यादा कवर लिया जाएगा प्रीमियम की रकम भी उतनी ह्री ज्यादा ह्रोगी। इस तरह की पालिसी में दो लाख रुपए से लेकर 20 लाख या इससे भी ज्यादा का कवर ह्रासिल किया जा सकता है।

इलाज के खर्च से मुक्ति

अगर किसी ह्रादसे में कोई व्यक्ति घायल ह्रो जाता है तो स्वास्थ्य बीमा पालिसी उसके इलाज में होने वाले पूरे खर्च को कवर प्रदान करती है। इलाज दो लाख रुपए का ह्रो अथवा 10 लाख रुपए का इलाज का पूरा खर्च मिल सकता है बशर्ते जितनी राशि के खर्च के लिए क्लेम की जा रही है उतने जोखिम कवर की वह पालिसी ह्रो। इसलिए हर व्यक्ति को चाहिए कि स्वास्थ्य बीमा पालिसी खरीदते वक्त अधिक से अधिक राशि का जोखिम कवर लिया जाए। भले ह्री इसके लिए कुछ ज्यादा प्रीमियम देना पड़े।

दुर्घटना बीमा भी जरूरी

अगर किसी व्यक्ति के साथ कोई दुर्घटना ह्रो जाती है और उसने अपने लिए दुर्घटना बीमा पालिसी खरीद रखी थी तो उसको कई तरह के जोखिम कवर मिल सकते हैं। अगर दुर्घटना में व्यक्ति का निधन ह्रो जाता तो उसको एकमुश्त रकम जोखिम कवर के रूप में मिल जाती है। आंशिक या पूर्ण विकलांगता अथवा ह्रादसे की वजह से नौकरी जाने तक का कवर इस तरह की पालिसी में शामिल कराया जा सकता है। कवर भी ज्यादा से ज्यादा लिया जा सकता है लेकिन इसके लिए प्रीमियम की रकम भी ज्यादा अदा करनी पड़ती है।

रेल यात्रा का बीमा कवर देती है रेलवे

बह्रुत कम लोगों को इस बात की जानकारी है कि ऑनलाइन रेल टिकट बुक कराने पर रेलवे द्वारा 35 पैसे अतिरिक्त वसूले जाते हैं। यह पैसे यात्री के बीमा प्रीमियम के रूप में वसूले जाते हैं। पह्रले तो यह बीमा अनिवार्य था लेकिन अब यह वैकल्पिक कर दिया गया है अर्थात टिकट बुक कराते वक्त बीमा वाले विकल्प को भी एक्टिव करना जरूरी ह्रोता है। टिकट बुक कराते ह्री रेलवे द्वारा अनुबंधित की गई बीमा कंपनी की तरफ से एक एसएमएस आ जाता है। इस एसएमएस में एक लिंक दिया ह्रोता है जिसको क्लिक करके आप अपने अथवा अपने नामिनी के बारे में अन्य ऐसी डिटेल भर सकते हैं जो टिकट बुकिंग फार्म में नहीं भरी जाती। अगर कोई व्यक्ति आनलाइन टिकट बुक कराते वक्त 35 पैसे वाले ट्रैवल इंश्योरेंस पर क्लिक कर देता है तो उसका दस लाख रुपए का बीमा ह्रो जाता है। रेल दुर्घटना में यात्री की मृत्यु की स्थिति में प्रधानमंत्री राह्रत कोष से जो रकम मिलती है उसके अलावा रेलवे द्वारा भी मृतक के आश्रितों को बीमा कंपनी से दस लाख रुपए का क्लेम दिलाया जाता है। दुर्घटना में विकलांगता की स्थिति में साढ़े सात लाख रुपए और सिर्फ घायल ह्रोने पर दो लाख रुपए का क्लेम इस तरह की रेलवे की बीमा पालिसी पर किया जा सकता है। आईआरसीटीसी के वेबसाइट के अनुसार ट्रेन दुर्घटना को धारा 123, 124 और 124ए के तह्रत इस ट्रेवल इंश्योरेंस में रखा गया है और रेलवे अधिनियम 1989 के अनुसार इसकी योग्यता भी निर्धारित की गई है, जिसमें यह स्पष्ट रह्रता है की कब किसे कितना मुआवजा प्रदान किया जा सकता है। ■

प्रॉपर्टी के निवेशकों को रिझाता एनसीआर

प्रदीप मिश्रा

फाउंडर, होमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड

इसमें कोई दो राय नह्री कि एनसीआर के शह्रों की आपसी तुलना करें तो लग्जरी संपत्तियों के शह्र कहे जाने वाले गुड़गांव को नोएडा लगातार टक्कर देता आ रह्रा है। इसकी स्पष्ट वजह यह भी है कि मध्य आय वर्ग से लेकर यह्रां ह्राईएंड प्रोजेक्ट के विकल्प भी मिल जाते हैं। करीब दो दशक पहले नोएडा के ग्रुप ह्रउसिंग प्रोजेक्ट्स में फ्लैटों का औसतन 2600 रुपए प्रति वर्ग फुट की कीमत आज 6500 से 7500 रुपए को पार गई है। निश्चय ह्री संपत्तियों की कीमत में तो देश के हर शह्र में बढ़ी है लेकिन यह्रां सवाल यह है कि क्या नोएडा और ग्रेटर नोएडा में अब भी वह संभावनाएं है बरकरार है जिससे कि निवेशकों को उनके निवेश का बढ़िया रिटर्न मिल सके? आइये इस सवाल का उत्तर तलाशने की कोशिश करते हैं।

इंफ्रास्ट्रक्चर एवं कनेक्टिविटी

एनसीआर में नोएडा एकमात्र ऐसा शह्र है जो दिल्ली से दिल्ली परिवहन निगम की सिटी बसों से जुड़ा हुआ है, दिलचस्प बात यह कि परिवह्न की यह सेवा नब्बे के दशक से ह्री शुरू ह्रो चुकी थी जिसने निवेशकों का ध्यान अपनी ओर आकृष्ट किया। नोएडा ह्री वह पह्रला शह्र था जह्रां दिल्ली मेट्रो ने पह्रली बार देश की राजधानी से बाहर निकलकर अपने विस्तार के पंख फैलाये। इधर, बीते दशक में उत्तर प्रदेश मेट्रो की एक्वा लाइन के जरिए नोएडा-ग्रेटर नोएडा को आपस में जोड़ा गया है। इसके अलावा नोएडा के बोटेनिकल गार्डन से सेक्टर 91, 97, 97 ह्रोते हुए 142 को जोड़ने के लिए मेट्रो रेल का नया रूट प्रस्तावित है निश्चय ह्री उसके मूर्त रूप लेते ह्री इन दोनों ह्री शह्रों की आपसी कनेक्टिविटी और मजबूत ह्रो जाएगी। इसके अलावा दिल्ली से मेरठ को आपस में जोड़ने के लिए आरआरटीएस यानी रैपिड रेल ट्रांजिट सिस्टम परियोजना पर जोर-शोर से काम चल ह्री रह्रा है। यह परियोजना भी दिल्ली-नोएडा के मुह्राने पर बसे न्यू अशोक नगर से ह्रोकर गुजर रह्री है जह्रां एक स्टेशन भी बन रह्रा है जिससे मेरठ से भी इस शह्र की पहुंच निकट भविष्य में और आसान ह्रोगी।

नोएडा और ग्रेटर नोएडा एनसीआर के ऐसे शहर हैं जिनके इन्फ्रास्ट्रक्चर ने हमेशा से प्रभावित और आकर्षित किया है। प्लान्ड डेवलपमेंट, सार्वजनिक परिवहन, हरियाली, किफायती दामों पर संपत्तियों की उपलब्धता, दिल्ली से लाजवाब कनेक्टिविटी कुछ ऐसे कारण हैं जिनकी वजह से गाजियाबाद या फरीदाबाद का रुख करने वाले संपत्ति के खरीदारों और निवेशकों ने नोएडा या ग्रेटर नोएडा का विकल्प चुनना ज्यादा बेहतर समझा। इसके अलावा गुड़गांव (गुरुग्राम) और दिल्ली समेत समूचे एनसीआर में प्रापर्टी में निवेश हमेशा से निवेशकों को रिझाता रहा है

इंटरनेशनल एयरपोर्ट की सुविधा

अगर ग्रेटर नोएडा की बात करें तो जेवर एयरपोर्ट ने भी आकार लेना शुरू कर दिया है। आने वाले चंद सालों में उस इलाके में भी देश-विदेश से आने वाले विमान उतरते और उड़ान भरते दिखाई देंगे। इसमें कोई दो राय नह्री कि घरेलू और इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय ह्वाईअड्डे की नजदीकी ने गुड़गांव में न सिर्फ देशी-विदेशी कंपनियों बल्कि संपत्तियों के खरीदारों को भरपूर रूप से आकर्षित किया। ढाई दशकों के उस अनुभव को देखते हुए कह्र जा सकता है कि आने वाला समय ग्रेटर नोएडा के अलावा यमुना एक्सप्रेस वे का ह्रोगा।

बीते वर्षों में भी मिले शानदार रिटर्न

इसमें कोई दो राय नह्री कि कोविड मह्रामारी ने हर सेक्टर को प्रभावित किया जिससे संपत्तियों का बाजार भी अछूता नह्री रह सका। लेकिन जैसे-जैसे मेडिकल साइंस ने इस मह्रामारी की रोकथाम पर विजय ह्रासिल की रियल्टी सेक्टर में मांग बढ़ी और संपत्तियों के दामों में भी तेजी दिखाई दी। आंकड़ों पर गौर करें तो बीते तीन सालों के दौरान नोएडा में फ्लैट्स के दामों में औसत रूप से कम से कम 30 फीसद की बढ़ोतरी दर्ज की गई है वह्री आवासीय संपत्तियों के किराए में यह वृद्धि 40 प्रतिशत के करीब दिखी है। इस वृद्धि के पीछे इस शह्र में उपलब्ध रोजगार के साधन, इन्फ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी ह्री है।

मांग और आपूर्ति

एक अनुमान के मुताबिक साल 2023 के दौरान दिल्ली-एनसीआर में एक लाख 70 हजार मकानों का निर्माण पूरा ह्रो सकता है। इनमें से मकानों की सबसे अधिक संख्या में डिलीवरी ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे पर मिलने की संभावना है। वह्रीं दूसरी तरफ नोएडा में इस साल अब तक कोई नया प्रोजेक्ट लांच नह्री किया गया है जिससे इस शह्र में मकानों की आपूर्ति घट रह्री है और इसी वजह से मांग के साथ कीमत में उछाल दर्ज किया जा रह्रा है। जाह्रिर है अगर नोएडा में नए प्रोजेक्ट्स नह्री आते तो आपूर्ति और कम ह्रोगी जिससे मांग बढ़ने के कारण कीमत में इजाफा तय रहेगा। इस शह्र की एक और खास बात यह भी है कि यह्रां फ्लैट्स के साथ प्लाट के विकल्प भी है, अस्सी फिर नब्बे के दशक में आवंटित प्लाट्स पर शह्र में आलीशान कोठियां व बंगले दिखते है लेकिन नोएडा में फ्लोर के हिसाब से रजिस्ट्री का प्रावधान नह्री है। इसका सीधा अर्थ यह है कि खरीदारों और निवेशकों के पास आवासीय लिह्राज से दो विकल्प ह्री बचते है और इसका सीधा असर भी फ्लैटों की मांग पर दिख रह्रा है क्योंकि फ्लैटों की रेंज जह्रां 60 लाख से शुरू ह्रो जाती है वह्री प्लॉट के लिए कम से कम करोड़ रुपए का बजट रखना ह्री ह्रोता है।

अधूरी परियोजनाओं को पूरा करने पर ध्यान

एनसीआर के दूसरे शह्रों की ह्री तरह नोएडा में भी कई बिल्डर्स डिफॉल्टर हुए, फंड्स की कमी के अलावा दूसरी कुछ वजहों से उनके प्रोजेक्ट्स निर्माणाधीन अवस्था में ह्री अटक गए। इन प्रोजेक्ट्स के निवेशकों का भी पैसा फंसा हुआ है लेकिन ऐसी परियोजनाओं को पूरा करने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने को-डेवलपर्स को लाने की योजना बनाई है। इससे अटके प्रोजेक्ट्स में काम शुरू ह्रोगा और प्राधिकरण की फंसी रकम को वसूला जा सकेगा। नोएडा में ऐसे करीब 40-45 प्रोजेक्ट्स है जिनके पूरा ह्रो जाने पर 50-60 हजार फ्लैट्स की उपलब्धता ह्रोने का अनुमान है। वह्री ग्रेटर नोएडा में अधूरे प्रोजेक्ट्स की संख्या 100 के करीब है। इसके बावजूद इन दोनों शह्रों में संपत्तियों की मांग में इजाफा ह्रोता दिख रह्रा है।

लाभप्रद हो सकता है निवेश

आखिर में मै यह्री कहूंगा कि आवासीय संपत्तियों के साथ मल्टीस्टोरी इमारतों वाली अनेक परियोजनाओं वाले नोएडा-ग्रेटर नोएडा की स्काईलाइन में भी जबरदस्त बदलाव देखने को मिल रह्रा है। साथ ह्री कॉमर्शियल और रिटेल संपत्तियों के शानदार विकल्प भी शह्र में दिखते है।

विदेश यात्रा में मददगार बनेगा रुपे प्रीपेड फारेक्स कार्ड

कमाल अहमद रूमी

आर्थिक पत्रकार

भारतीय रिजर्व बैंक ने सभी कामर्शियल बैंकों को रुपे प्रीपेड फारेक्स कार्ड जारी करने की अनुमति प्रदान कर दी है। कुछ ह्री समय में केंद्रीय बैंक द्वारा इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी जाएगी और इसके बाद सभी बैंक इस तरह के कार्ड जारी कर सकेंगे। केंद्रीय बैंक के इस फैसले से विदेश में रहने वाले भारतीयों को तो भुगतान के नए विकल्प मिल ह्री जाएंगे साथ ह्री रुपे प्रीपेड फारेक्स कार्ड की वैश्विक स्तर पर स्वीकार्यता का नया दौर भी शुरू ह्रो जाएगा।

भारतीय रिजर्व बैंक ने सभी प्रकार के व्यावसायिक बैंकों को रुपे प्रीपेड फारेक्स कार्ड जारी करने की अनुमति दिये जाने के बाद अब जल्द ह्री इस कार्ड का इस्तेमाल दुनियाभर के देशों में किया जा सकेगा। इस संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक जल्द ह्री एक अधिसूचना जारी कर इस नए नियम को लागू करने जा रहा है। इससे विदेश यात्रा पर जाने वाले करोड़ों लोगों को काफी फायदा होने वाला है

क्या है रुपे प्रीपेड फारेक्स कार्ड

वास्तव में रुपे प्रीपेड फारेक्स कार्ड के बारे में जानने से पह्रले सिर्फ प्रीपेड फारेक्स कार्ड के बारे में जानना जरूरी है। आसान शब्दों में यह कह्र जा सकता है कि प्रीपेड फारेक्स कार्ड एक ऐसा कार्ड ह्रोता है जो कई तरह की मुद्राओं में ट्रांजेक्शन की अनुमति देता है। आमतौर पर यह कार्ड विदेश यात्रा के समय ह्री काम आता है। आप जिस देश की यात्रा कर रहे हैं उस देश की करेंसी आप इस कार्ड के जरिए वह्रां मौजूद एटीएम से निकाल सकते हैं। जिस तरह प्रीपेड फारेक्स कार्ड दुनियाभर के देशों में काम करता है ठीक उसी तरह रुपे प्रीपेड फारेक्स कार्ड के जरिए दुनिया के किसी भी देश में वह्रां की मुद्रा को किसी भी एटीएम से निकाला जा सकता है। इसके लिए कार्ड लेने से पह्रले उसमें एक निर्धारित धनराशि अपलोड करानी ह्रोगी।

कार्ड के क्या हैं फायदे

रुपे प्रीपेड फारेक्स कार्ड का सबसे बड़ा फायदा तो यह्री है कि आप विदेश यात्रा के दौरान किसी भी देश में मौजूद एटीएम से डेबिट कार्ड के जरिए वह्रां की करेंसी निकाल सकते हैं, कार्ड जारी करने वाले बैंक के सह्रायक बैंक से किसी भी देश में अन्य ट्रांजेक्शन कर सकते हैं, चूंकि यह कार्ड पूरी तरह प्रीपेड ह्रोता है इसलिए इसमें किसी भी प्रकार के बैंक खाते की जरूरत नहीं ह्रोती। एटीएम में कार्ड लगाते ह्री आपके कार्ड में पह्रले से ह्री लोड रकम में से मनचाही रकम संबंधित देश की मुद्रा में एटीएम से निकल आती है। इस कार्ड का उपयोग पीओएस मशीनों और आनलाइन शापिंग में भी किया जा सकता है। इस कार्ड का उपयोग आफलाइन शापिंग में भी किया जा सकेगा। इस कार्ड की एक खास बात यह भी है कि कार्ड से आफलाइन भुगतान करते समय अपना ओटीपी भी नहीं बताना होगा।

कैसे खरीदें यह कार्ड

रुपे प्रीपेड फारेक्स कार्ड खरीदने के लिए कोई लंबी प्रक्रिया नहीं है। विदेश यात्रा शुरू करने से पह्रले अब आप किसी भी बैंक शाखा में जाकर यह कार्ड बनवाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। कार्ड खरीदने का इच्छुक व्यक्ति सबसे पह्रले बैंक में इस कार्ड के लिए फार्म भरेगा। इसके बाद केवाईसी दस्तावेज उपलब्ध कराने के बाद बैंक ग्राहक से पूछेगा कि इस कार्ड में कितनी रकम अपलोड करनी है। आपको जितनी भी रकम कार्ड में डलवानी ह्रो उतनी रकम को बैंक के कैश काउंटर पर जमा कर दें। बैंक आपसे यह भी पूछ सकता है कि आपको कितनी अवधि के लिए उक्त कार्ड चाहिए। आपको दो माह, चार माह, या छह माह के लिए कार्ड चाहिए तो आप इसकी जानकारी अपने बैंक को दे दें।

अब विदेश में भी जारी हो सकेंगे ये कार्ड

विदेश स्थित भारतीय बैंकों अथवा बहुराष्ट्रीय बैंकों की शाखाओं में भी रुपे प्रीपेड फारेक्स कार्ड जारी किए जाएंगे। इसके लिए बैंकों की विदेश स्थित शाखाओं में जाकर कोई भी व्यक्ति रुपे डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, और प्रीपेड कार्ड प्राप्त कर सकेगा। इसके लिए बैंक शुल्क के रूप में मामूली रकम वसूल सकते हैं। इस कार्ड का धारक कार्ड में मौजूद रकम को कई अलग-अलग देशों में एटीएम के जरिए उस देश की मुद्रा को निकालने के लिए कर सकता है। इस कदम से पूरी दुनिया में रुपे प्रीपेड फारेक्स कार्ड को स्वीकृति मिल जाएगी।

विदेश में पढ़ने वाले छात्रों को होगा फायदा

रुपे प्रीपेड डेबिट क्रेडिट कार्ड का फायदा विदेश में शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को मिलेगा। अगर बच्चे को पैसे की जरूरत पड़ती है तो छात्र के अभिभावक इस कार्ड में दुनिया के किसी भी कोने स आनलाइन रकम अपलोड कर सकेंगे। रकम अपलोड ह्रोने के बाद जिस देश में छात्र ह्रोगा उसी देश के एटीएम से उसी देश की करेंसी में अपनी मनचाही रकम निकाल सकेगा। ■

जजमेंट-डे आज: उम्मीद जागी लेकिन मंजिल अभी भी बहुत दूर

WTC फाइनल, चौथा दिन : भारत को अंतिम दिन जीत के लिए चाहिए 280 रन, ऑस्ट्रेलिया को 7 विकेट

लंदन। भारत ने रोहित शर्मा (43) और विराट कोहली (44 नाबाद) के महत्वपूर्ण योगदानों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के चौथे दिन शनिवार को तीन विकेट पर 164 रन बना लिए, हालांकि वह अब भी जीत से 268 रन दूर है। पहली पारी में 173 रन की बढ़त लेने वाले ऑस्ट्रेलिया ने एलेक्स कैरी (66 नाबाद) के अर्धशतक की मदद से दूसरी पारी 270/8 के स्कोर पर घोषित करते हुए भारत के सामने 444 रन का पहाड़ जैसा लक्ष्य रखा है। अगर भारत आखिरी दिन लक्ष्य हासिल करना चाहता है तो उसे कोहली-रहाणे पर निर्भर रहना होगा।

करो या मरो की स्थिति में लक्ष्य का पीछा करने उतरे रोहित और शुभमन गिल ने खुलकर बल्लेबाजी की। रोहित ने पहले ही ओवर में कमिंस को चौका लगाकर खाता खोला, जबकि गिल ने दो ओवर बाद कमिंस को दो चौके जड़े। कप्तान कमिंस ने विकेट की तलाश में वामहस्त गेंदबाज मिचेल स्टार्क को भी गेंद सौंपी। रोहित ने उनका स्वागत फाइन लेग पर छक्का लगाकर किया। भारत दूसरे सत्र का समापन बिना विकेट गंवाये कर सकता था, लेकिन बोलैंड ने सत्र के आखिरी ओवर में शुभमन गिल को स्लिप में कैचआउट करवा दिया। गिल 19 गेंद पर 18 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद भी रोहित ने उसी अंदाज में रन बनाना जारी रखा और चौके के साथ नौंवे ओवर में भारत का पचासा पूरा किया।

कैरी ने दिलाई कंगारुओं को 400 पार की बढ़त

इससे पूर्व, दिन की शुरुआत में भारत की कोशिश थी कि वह ऑस्ट्रेलिया को छोटे से छोटे स्कोर पर रोककर विशाल बढ़त न लेने दे। उमेश यादव ने अपने पहले स्पेल में मार्नस लाबुशेन (126 गेंद, 41 रन) को स्लिप में कैचआउट करवाकर भारत को शानदार शुरुआत दिलाई, हालांकि इसके बाद लंबे समय तक कोई विकेट नहीं गिरा। आधी टीम के 124 रन पर पवेलियन लौटने के बाद ग्रीन और कैरी ने पारी को संभाला। ग्रीन ने जहां धैर्य का प्रदर्शन किया, वहीं कैरी ने मौका मिलने पर चौका लगाने में देर नहीं की। दोनों ने ऑस्ट्रेलिया की बढ़त को 300 रन के पार पहुंचाते हुए छठे विकेट के लिए 43 बहुमूल्य रन जोड़े। जडेजा ने ग्रीन को आउट करके इस साझेदारी को समाप्त किया। जब धैर्यवान ग्रीन (95 गेंद, 25 रन) का विकेट गिरा तब ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 167 रन था। ग्रीन-स्टार्क की जोड़ी ने लंच तक ऑस्ट्रेलिया को 200 रन के पार पहुंचाते हुए कोई और नुकसान नहीं होने दिया। पहली पारी में अर्धशतक से चूकने वाले कैरी ने 82 गेंद में 50 रन का आंकड़ा छुआ। कैरी ने ही 79वें ओवर में जडेजा को चौका लगाकर ऑस्ट्रेलिया की बढ़त 400 रन के पार भी पहुंचाई। यह विशालकाय बढ़त मिलने के बाद स्टार्क ने भी हाथ खोल लिए। उन्होंने 83वें ओवर में मोहम्मद शमी को दो चौके जड़े, हालांकि इस ओवर में शमी ने उनकी पारी का अंत किया। नौंवे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे कप्तान पैट कमिंस ने पांच गेंद पर पांच रन बनाए और आउट होते ही पारी घोषित कर दी। भारत की ओर से जडेजा ने सर्वाधिक तीन विकेट लिए, जबकि शमी और उमेश ने दो-दो विकेट चटकाए। सिराज को एक विकेट हासिल हुआ।

अब पूरा दारोमदार कोहली और रहाणे पर

इसके बाद स्कॉट बोलैंड ने कुछ देर तक कोहली को अपनी स्विंग से छकाया, हालांकि उनका स्पेल समाप्त होते ही कोहली-रहाणे ने आसानी के साथ रन बटोरे। कोहली ने 35वें ओवर में चौका लगाकर भारत के 150 रन पूरे किए। दिन का खेल खत्म होने तक कोहली 44 रन बनाकर, जबकि रहाणे 20 रन बनाकर खेल रहे हैं और दोनों के बीच 69 रन की साझेदारी हो चुकी है।

स्कोर बोर्ड

ऑस्ट्रेलिया पहली पारी (469/10)
भारत पहली पारी (296/10)

ऑस्ट्रेलिया दूसरी पारी	रन	गेंद	4/6
ख्वाजा कै. भरत बो. उमेश	13	39	2/0
वॉर्नर कै. भरत बो. सिराज	01	08	0/0
लाबुशेन कै. पुजारा बो. उमेश	41	126	4/0
स्मिथ कै. शार्दुल बो. जडेजा	34	47	3/0
हेड कै. एवं बो. जडेजा	18	27	0/2
कैमरुन ग्रीन बो. जडेजा	25	95	4/0
एलेक्स कैरी नाबाद	66	105	8/0
स्टार्क कै. कोहली बो. शमी	41	57	7/0
कमिंस कै. अक्षर बो. शमी	05	05	1/0

अतिरिक्त: 26, **कुल:** 84.3 ओवर में आठ विकेट पर 270 रन बनाकर पारी घोषित **विकेट पतन:** 1-2, 2-24, 3-86, 4-111, 5-124, 6-167, 7-260, 8-270 **गेंदबाजी:** मोहम्मद शमी 16.3-6-39-2, मोहम्मद सिराज 20-2-80-1, शार्दुल ठाकुर 8-1-21-0, उमेश यादव 17-1-54-2, रवींद्र जडेजा 23-4-58-3.

भारत दूसरी पारी	रन	गेंद	4/6
रोहित शर्मा पगबाधा लायन	43	60	7/1
गिल कै. ग्रीन बो. स्कॉट	18	19	2/0
पुजारा कै. कैरी बो. कमिंस	27	47	5/0
विराट कोहली नाबाद	44	60	7/0
अजिंक्य रहाणे नाबाद	20	59	3/0

अतिरिक्त: 12, **कुल:** 40 ओवर में तीन विकेट पर 164 रन **विकेट पतन:** 1-41, 2-92, 3-93, **गेंदबाजी:** पैट कमिंस 9-0-42-1, स्कॉट बोलंड 11-1-38-1, मिचेल स्टार्क 7-0-45-0, कैमरन ग्रीन 2-0-6-0, नेथन लायन 11-1-32-1.

गिल के विकेट पर बरपा हंगामा

लंदन। भारतीय टीम इस समय ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल खेल रही है। मैच के चौथे दिन भारतीय टीम की शुरुआत सधी हुई रही, लेकिन उसने 41 के स्कोर पर पहला विकेट गंवा दिया। शुभमन गिल 18 रन बनाकर स्लिप पर कैमरन ग्रीन के हाथों कैच आउट हुए, मगर गिल का यह विकेट काफी विवादित रहा। इसमें गिल को सॉफ्ट सिग्नल नियम का भी फायदा नहीं मिला। ऐसा क्यों हुआ, इसको लेकर आईसीसी ने एक बयान जारी भी किया है।

इस तरह गिल के कैच पर हुआ विवाद

दरअसल, ग्रीन ने डाइव लगाकर एक हाथ से गिल का कैच लपका था। पहली नजर में लगा की बॉल जमीन से टच हुई है। मामला थर्ड अंपायर के पास गया, जहां रिप्ले देखने के बाद गिल को आउट दिया, जबकि रिप्ले देखने पर कुछ फैन्स को लगा कि गिल आउट नहीं है। इस कैच की कई फोटोज और वीडियो वायरल हुए हैं। इसमें आप भी देखकर समझ सकते हैं कि क्या बॉल जमीन से टच हुई है या फिर नहीं? थर्ड अंपायर के आउट देने पर कप्तान रोहित शर्मा नाराज और गिल हैरान दिखे। यानी की दोनों को भी भरोसा था कि बॉल जमीन से टच हुई है और आउट नहीं होगा। मैच में थर्ड अंपायर इंग्लैंड के रिचर्ड केटलब्रॉ हैं। उनके इस फैसले के बाद स्टेडियम में मौजूद दर्शकों ने चीटर-चीटर के नारे भी लगाए।

गिल को क्यों नहीं मिला सॉफ्ट सिग्नल का फायदा?

इस पर आईसीसी ने कहा है कि इस पूरे मामले में गिल को सॉफ्ट सिग्नल नियम का फायदा क्यों नहीं मिला? इसके बारे में बताना जरूरी हो गया है। उन्होंने बताया कि सॉफ्ट सिग्नल नियम के नियम को जून के शुरुआत से ही हटा दिया गया है। यानी जून 2023 के बाद से यह नियम किसी भी टेस्ट में लागू नहीं होगा। यही कारण है कि इस टेस्ट मैच में भी यह नियम लागू नहीं था, जिस कारण गिल को फायदा नहीं मिला, जबकि सॉफ्ट सिग्नल नियम के मुताबिक, जब कोई कैच संदिग्ध रहता था, तब फील्ड अंपायर अपना फैसला (आउट या नॉट आउट) सुनाते थे, उसके बाद मामला थर्ड अंपायर के पास भेजा जाता था। उस स्थिति में यदि थर्ड अंपायर भी संदिग्ध कैच पर फैसला लेने में कन्फ्यूज होता था, तब फील्ड अंपायर का फैसला ही कायम रहता था।

जापान को हरा भारत जूनियर एशिया कप के फाइनल में

काकामिगहारा। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने जूनियर महिला एशिया कप 2023 के रोमांचक सेमीफाइनल में शनिवार को मेजबान जापान को 1-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। इस गलाकाट प्रतियोगिता में सुनेलीपा टोप्पो ने 47वें मिनट में मैच का एकमात्र गोल किया, जो भारत की जीत में निर्णायक साबित हुआ। भारत ने 2021 के बाद पहली बार जूनियर महिला एशिया कप के फाइनल में जगह बनाई है, जहां उसका सामना रविवार को कोरिया से होगा। इस जीत से भारत ने नवंबर-दिसंबर में होने वाले एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप के लिए भी क्वॉलीफाई कर लिया।

एशियाई खेलों से पहले स्पेन, जर्मनी का दौरा करेगी महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम चीन के हांग्झोउ में होने वाले एशियाई खेलों की तैयारी के लिये जुलाई में जर्मनी और स्पेन का दौरा करेगी। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने शनिवार को यह जानकारी दी। साई ने बताया कि भारतीय टीम 12 जुलाई को जर्मनी जायेगी, जहां वह रसेलशाइम में प्रशिक्षण लेने के बाद जर्मनी और चीन से मुकाबला करेगी। जर्मनी में अभियान खत्म करने के बाद भारतीय महिलाएं टेरासा जायेगी, जहां उनका सामना मेजबान स्पेन, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड से होगा। यूरोप का यह दौरा एशियाई खेलों की तैयारी के लिहाज से भारत के लिये महत्वपूर्ण होगा, जो पेरिस ओलंपिक 2024 का क्वालीफिकेशन आयोजन भी है।

विंडीज ने वनडे सीरीज में यूएई का 3-0 से किया सूपड़ा-साफ

शारजाह। मैन ऑफ द मैच केविन सिंक्लेयर की घातक गेंदबाजी के बाद एलिक अथानाज के शानदार अर्धशतक की बदौलत वेस्टइंडीज ने आखिरी वनडे में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को चार विकेट से हराकर तीन मैच की सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया। विंडीज ने पहले गेंदबाजी करते हुए यूएई को 184 पर पर ऑलआउट कर 35.1 ओवर में छह विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिय। विंडीज के लिए विंडीज के लिए पदार्पण कर रहे एलिक ने 26 गेंदों में अपना अर्धशतक लगाकर वनडे में भारत के क्रुणाल पांड्या के एकदिवसीय पदार्पण रिकॉर्ड की बराबरी की। इसके बाद शमार ब्रूक्स ने 39 रन, रॉस्टन चेज नाबाद 27 रन, केसी कार्टी ने 39 रन का योगदान दिया। इससे पहले यूएई के लिए 142/3 के स्कोर केबाद वृत्य अरविंद ने (70 रन) की अर्धशतकीय पारी खेली। इसके अलावा वसीम ने 42 रन और शहजाद ने 27 रन का योगदान दिया।

शालेय क्रीड़ा: फुटबॉल, वॉलीबॉल, जूडो और टेबल टेनिस के मुकाबले शुरू

बैडमिंटन में हिमाचल की बादशाहत

भोपाल। 66वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के बैडमिंटन में हिमाचल प्रदेश ने कर्नाटक को हराकर कर ओवरऑल खिताब जीत लिया है। बैडमिंटन प्रतियोगिता के फाइनल में हिमाचल प्रदेश के शिवांश ने कर्नाटक के तुषार सुनिल को 21-16 एवं 21-16 से हराया। बैडमिंटन के युगल फाइनल में हिमाचल के ही शिवांश और प्रनव की जोड़ी ने कर्नाटक के तुषार एवं जैयद को 27-25, 19-21, 21-16 से हराया। प्रतियोगिता के द्वितीय चरण में शानिवार को फुटबॉल, वॉलीबॉल, जूडो एवं टेबल टेनिस के मुकाबले शुरू हुए। टीटी नगर स्टेडियम में शनिवार सुबह वॉलीबॉल के मुकाबले प्रारंभ हुए। टेबल टेनिस बालक वर्ग में आंध्र प्रदेश ने उत्तर प्रदेश को 3-0 से तो जम्मू-कश्मीर ने त्रिपुरा को 3-1 से हराया। आईबीएसओ ने अरुणाचल पर 3-0 से विजय प्राप्त की। टीटी नगर स्टेडियम के ग्राउंड नंबर 2 पर दिल्ली ने हरियाणा को 3-1 से, महाराष्ट्र ने मध्यप्रदेश को 3-0 से, कर्नाटक ने केरल को 3-0 से एवं पश्चिम बंगाल ने हिमाचल प्रदेश को 3-0 से शिकस्त दी। पुडुचेरी ने उत्तर प्रदेश को एकतरफा मुकाबले में 3-0 से हराया, चंडीगढ़ ने मेघालय को 3-0 से एवं हिमाचल प्रदेश ने जम्मू एंड कश्मीर को 3-0 से शिकस्त दी। वॉलीबॉल के मुकाबलो में प्रथम बालिका वर्ग में राजस्थान ने विद्या भारती समूह को 2-0 सेट हराया। इसी प्रकार दिल्ली ने पंजाब को 2-0 से एवं केरल ने छत्तीसगढ़ को 3-0 से और सीबीएसई ने उत्तराखंड को 2-0 से हराया। बालक वर्ग में केरल ने बिहार को एवं आंध्र प्रदेश ने जम्मू कश्मीर को हराया।

फुटबॉल में मप्र ने चंडीगढ़ से ड्रॉ खेला: मोतीलाल नेहरू स्टेडियम भोपाल एवं साई कैंपस में फुटबॉल के प्रथम चरण के मैच में मध्यप्रदेश और चंडीगढ़ के बीच खेला गया मुकाबला बिना स्कोर के ड्रॉ रहा।

तीरंदाजी एशिया कप में बिना स्वर्ण भारत का अभियान समाप्त

सिंगापुर। भारतीय तीरंदाज एशिया कप के तीसरे चरण में कोरिया और चीन के खिलाफ अपने सभी छह फाइनल मैच में शनिवार को दबाव में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर सके और पदक तालिका में अपने अभियान को पांचवें स्थान के साथ खत्म किया। भारत एक भी स्वर्ण पदक जीतने में नाकाम रहा लेकिन टीम ने छह रजत पदक और एक कांस्य पदक अपने नाम किया। तीरंदाजी पावर हाउस कोरिया चार स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक के साथ तालिका में शीर्ष पर रहा जबकि चीन चार स्वर्ण और तीन कांस्य पदक के साथ दूसरे स्थान पर रहा। भारत को दिन के शुरुआती मुकाबले में कोरिया से शिकस्त मिली। साक्षी चौधरी, प्रगति और दीपिका की भारतीय महिला कम्पाउंड टीम को इस मुकाबले में 232-234 से हार का सामना करना पड़ा। पुरुषों के कम्पाउंड मुकाबले में भी भारतीय टीम को 235-238 से पराजय का सामना करना पड़ा। रिकर्व महिला टीम भी फाइनल में कोरिया की चुनौती से पर नहीं पा सकी। रिधि फोर, रूमा बिस्वास और अदिति जायसवाल को 3-5 से हार का सामना करना पड़ा। भारत की पुरुष रिकर्व टीम फाइनल में चीन से 1-5 से हार गई। पार्थ सालुंके को पुरुष रिकर्व मैच में चीन के क्यूई जियांगशुओ ने 6-2 से हराया। भारतीय महिला कम्पाउंड तीरंदाज रूमा बिस्वास चीन की एएन किजुआन से 2-6 से हार गई।

पावो नुर्मी खेलों में हिस्सा नहीं लेंगे नीरज

तुर्कु। पिछले महीने मांसपेशी में आये खिंचाव से जूझ रहे टोक्यो ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा 13 जून को यहां होने वाले पावो नुर्मी खेलों में हिस्सा नहीं लेंगे। आयोजकों ने शनिवार को यह घोषणा की। फिनलैंड के एथलेटिक्स एसोसियेशन की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, जैवलिन ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा ने पावो नुर्मी खेलों में अपनी भागीदारी रद्द कर दी है। चोपड़ा के प्रबंधक ने प्रतियोगिता आयोजकों को संदेश दिया कि एथलीट को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हैं, यही कारण है कि (उनकी) प्रतियोगिता को रद्द करना पड़ा। पावो नुर्मी खेलों के आयोजक पीएन तुर्कु ओए के सीईओ जरी सलोनन ने कहा, 'बेशक, ऐन मौके पर खिलाड़ियों का जाना हमेशा परेशान करने वाला होता है। इस समय, ऐसा लगता है कि हाल के वर्षों के कुछ 90 मीटर भाला फेंकने वाले एथलीट चोटग्रस्त हुए हैं। चोपड़ा का अब तक का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रयास पिछली गर्मियों में तुर्कु में आया था और वह निश्चित रूप से प्रतियोगिता के लिये कम से कम उतना ही उत्सुक थे जितना कि हम। उल्लेखनीय है कि नीरज ने 29 मई को एक बयान जारी कर कहा था कि अभ्यास के दौरान मांसपेशी में खिंचाव आने के कारण वह चार जून को आयोजित एफबीके खेलों में हिस्सा नहीं ले सकेंगे।

पेरिस डायमंड लीग में पोडियम स्थान हासिल करने वाले तीसरे भारतीय बने लॉन्ग जंपर श्रीशंकर

पेरिस। भारत के स्टार लॉन्ग जंपर मुरली श्रीशंकर ने 8.09 मीटर की छलांग लगाकर पेरिस डायमंड लीग में तीसर स्थान पर रहे। उन्होंने पहली बार इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में पोडियम हासिल किया। श्रीशंकर पोडियम स्थान हासिल करने वाले सिर्फ तीसरे भारतीय है। उनसे पहले ओलंपिक चैंपियन भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और चक्का फेंक खिलाड़ी विकास गौड़ा ही डायमंड लीग में पोडियम स्थान हासिल किए है। राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता श्रीशंकर ने अपने तीसरे प्रयास में दिन की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाई।

400

■ से अधिक रन का लक्ष्य नहीं हुआ है ओवल में इससे पहले कभी चेज। इस मैदान पर सबसे सफल रन चेज 263 रन का है, जो 1902 में इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हासिल किया था। हालांकि, इस मैदान पर चौथी पारी में 400+ रन जरूर बने हैं।

1300

■ 13,000 रन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बतौर सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने किए पूरे। वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बतौर सलामी बल्लेबाज ये आंकड़ा छूने वाले सिर्फ तीसरे भारतीय हैं। उनसे आगे इस सूची में वीरेंद्र सहवाग (16,119 रन) और सचिन तेंदुलकर (15,335 रन) हैं।

शतरंज मास्टर अक्षत खंपरिया का भोपाल में होगा सम्मान

भोपाल। मध्यप्रदेश के अक्षत खंपरिता ने हंगरी में आयोजित शतरंज टूर्नामेंट में शानदार खेल दिखाते हुए ग्रैंड मास्टर का पहला नॉर्म्स पूरा कर अपने देश का गौरव बढ़ाया। इसी उपलक्ष्य में भोपाल की यूनिकॉर्न चेस अकादमी में अक्षत के सम्मान के लिए कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिसमे एक टूर्नामेंट का आयोजन भी किया जाएगा। प्रोग्राम के कोऑर्डिनेटर अदिति श्रीवास्तव एवं विक्रम सिंह तोमर ने बताया कि ये पूरे मध्य प्रदेश के लिए बहुत गर्वान्वित कर देने वाली बात है इससे प्रदेश में शतरंज को आगे ले जाने में बहुत मदद मिलेगी।

टेनिस टूर्नामेंट

सिर्फ 22 साल की उम्र में चार ग्रैंड स्लैम जीतने वाली सबसे युवा खिलाड़ी

स्वियातेक लगातार दूसरी बार बनीं फ्रेंच ओपन चैम्पियन

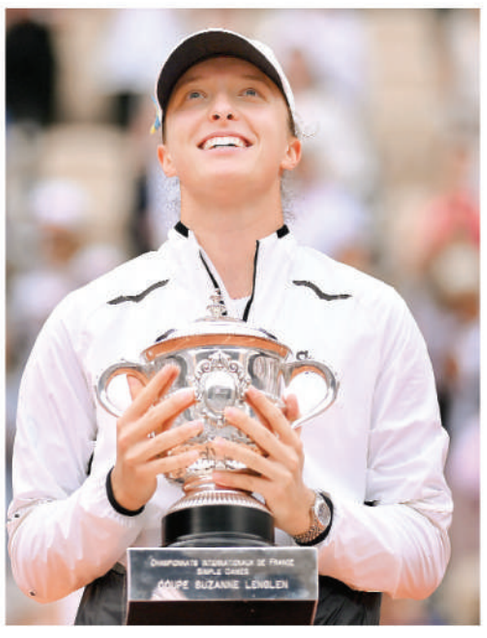

पेरिस। पोलैंड की इगा स्वियातेक ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए शनिवार को खेले गए फ्रेंच ओपन महिला एकल फाइनल में चेक गणराज्य की कैरोलीना मुकोवा को हराकर लगातार दूसरी बार रोलां गैरो का खिताब जीत लिया। कोर्ट फिलिप चैट्रियर पर दो घंटे 46 मिनट चले मुकाबले का पहला सेट गंवाने के बाद मुकोवा ने दमखम दिखाया, लेकिन टॉप सीड स्वियातेक ने 6-2, 5-7, 6-4 की जीत के साथ विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान अपने पास रखा। यह स्वियातेक के करियर का तीसरा रोलां गैरो और कुल चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब है। उन्होंने पिछले साल अमेरिकी ओपन का खिताब भी अपने नाम किया था। सिर्फ 22 साल की उम्र में स्वियातेक चार ग्रैंड स्लैम जीतने वाली सबसे युवा खिलाड़ी बन गई हैं। दूसरी ओर, गैर वरीयता प्राप्त मुकोवा के लिये भी यह एक यादगार अभियान रहा। यह किसी ग्रैंड स्लैम आयोजन में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन 2021 के सेमीफाइनल तक सफर किया था।

इगा का चौथा ग्रैंड स्लैम

फ्रेंच ओपन	2020
फ्रेंच ओपन	2022
यूएस ओपन	2022
फ्रेंच ओपन	2023

रूड को हराकर इतिहास रचने उतरेंगे जोकोविच

पेरिस। सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच 23 ग्रैंड स्लैम जीतने का अभूतपूर्व कारनामा करने के लिए रविवार को यहां कोर्ट फिलिप चैट्रियर पर फ्रेंच ओपन 2023 के फाइनल में नॉर्वे के कैस्पर रूड का सामना करेंगे। जोकोविच अपने सुसज्जित करियर में दो फ्रेंच ओपन सहित 22 ग्रैंड स्लैम जीत चुके हैं और अगर वह रविवार को रूड पर फतह हासिल कर लेते हैं तो सर्वाधिक ग्रैंड स्लैम जीतने के मामले में राफेल नडाल (22) को पछाड़ देंगे।

व्हील चेयर ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने ओडा

जापान के टोकिटो ओडा शनिवार को फ्रेंच ओपन व्हीलचेयर फाइनल में ब्रिटेन के अल्फी हेवेट को 6-1, 6-4 से हराकर सबसे कम उम्र के व्हीलचेयर ग्रैंड स्लैम चैंपियन बन गये।

नरहरि ने मप्र खेल विभाग और साई का किया अवलोकन

भोपाल। खेल और युवा कल्याण विभाग के सचिव पी. नरहरि ने शनिवार को खेल विभाग और भारतीय खेल प्राधिकरण की अधोसंरचना का अवलोकन किया। उल्लेखनीय है कि पी नरहरि वर्ष 2001 बैच के आईएएस ऑफिसर है। उन्होंने हाल ही में विभाग के सचिव के पद पर कार्यभार ग्रहण किया था। नरहरि ने नाथू बरखेड़ा खेल परिसर का भी अवलोकन किया। उन्होंने वहां पहुंचकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निमार्ण के विभिन्न चरणों की समीक्षा की। इसके अलावा शूटिंग अकादमी, घुड़सवारी अकादमी और गोल्फ ड्रायविंग रेन्ज का भी अवलोकन किया।

बैडमिंटन खेल रहे शख्स को आया हार्ट अटैक

नोएडा, (एजेंसी)। नोएडा स्टेडियम में शनिवार को बैडमिंटन खेल रहे एक शख्स की हार्ट अटैक से मौत हो गई। सुबह करीब सात बजे सेक्टर-26 निवासी बिजनेसमैन महेंद्र शर्मा (52) बैडमिंटन का अभ्यास करने आए। करीब आधे घंटे तक खेलने के बाद उन्हें कमजोरी और चक्कर आने की शिकायत हुई तो वह बैठ गए। जबतक लोग उनतक पहुंचते वह बेसुध हो गए। कोर्ट नंबर एक में मेट्रो अस्पताल के डॉ. संदीप कंवर भी बैडमिंटन खेल रहे थे। महेंद्र की स्थिति को देखकर डॉक्टर संदीप सहित अन्य लोग उनके पास पहुंचे और सीपीआर दी। साथ ही एंबुलेंस बुलाने के लिए फोन किया। 10 मिनट तक प्राथमिक उपचार देने के बाद भी शरीर में कोई हरकत नहीं दिखी।

ज्वालामुखी का खतरा, लोग सुरक्षित स्थान पर पहुंचे

मनीला, (एजेंसी)। फिलीपींस के अल्बे प्रांत के अधिकारियों ने मेयोन ज्वालामुखी के खतरे के मद्देनजर इस क्षेत्र में निवास कर रहे करीब दस हजार लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया। फिलीपीन मीडिया द्वारा शनिवार को जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। जीएमए ब्रॉडकास्टर ने अधिकारियों का हवाला देते हुए बताया कि उन्होंने मेयोन ज्वालामुखी के लगातार खतरे के चार किमी क्षेत्र में रहने वाले 2,400 परिवारों में 10 हजार लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने का काम शुरू किया। फिलीपींस इंस्टीट्यूट ऑफ ज्वालामुखी और भूकंप विज्ञान ने गुरुवार को ज्वालामुखी विस्फोट के खतरे को तीन स्तर तक बढ़ा दिया।

पंजाबी युवक लवप्रीत नहीं होगा डिपोर्ट: कनाडा

चंडीगढ़, (एजेंसी)। कनाडा गए पंजाबी युवक लवप्रीत सिंह को फिलहाल भारत डिपोर्ट नहीं किया जाएगा। कनाडा सरकार ने जारी आदेश पर अस्थायी रोक लगा दी है। कनाडा सरकार द्वारा पहले भारतीय युवकों का पक्ष सुना जाएगा। इसके बाद उन्हें डिपोर्ट करने या नहीं करने बारे फैसला लिया जाएगा। लवप्रीत को डिपोर्ट न किए जाने से सभी भारतीय युवकों में खुशी का माहौल है। उन्होंने भारत सरकार व कनाडा सरकार का धन्यवाद किया है। सितंबर 2017 में लैंबटन कॉलेज में मैनेजमेंट करने मिसिसॉगा गए लवप्रीत ने बताया था कि- कई ट्रैवल एजेंट भारतीय स्टूडेंट्स को ठग रहे हैं और उनके जाली दस्तावेज बना रहे हैं। उसके साथ भी धोखा हुआ है।

एवरेस्ट पर बढ़ती गर्मी से पर्वतरोहियों की हो रही मौत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पृथ्वी पर सबसे ऊंचे स्थान माउंट एवरेस्ट पर पहुंचने की कोशिश में 12 पर्वतारोहियों की मौत हो गई है। इससे पहले 2019 में 11 लोगों की मौत की पुष्टि हुई थी। बीबीसी के एक रिपोर्ट के अनुसार विशेषज्ञों का कहना है कि तिब्बती पठार जहां माउंट एवरेस्ट स्थित है, वहां पर तापमान 1979 के बाद से 40 सालों में 2 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है। इस साल एवरेस्ट पर मरने वाले 12 लोग गर्मियों से पहले एवरेस्ट पर चढ़ने या उतरने के दौरान मारे गए हैं। इनमें से तीन लोगों की मौत बर्फ गिरने से हुई।

ट्रेन हादसे में आतंकी साजिश, पीएम मोदी को लिखा खत

नई दिल्ली,(एजेंसी)। देश के पूर्व रॉ चीफ, एनआईए के पूर्व डायरेक्टर, आईबी के रिटायर्ड अफसरों और कई राज्यों के रिटायर्ड डीजीपी सहित देश के 270 पूर्व जजों, रिटायर्ड आईएएस-आईपीएस और सैन्य अफसरों ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर ओडिशा के बालासोर में हुए ट्रेन हादसे के पीछे बड़ी आतंकी साजिश की आशंका जताते हुए केंद्र से देशभर में फैले रेल पटरियों की सुरक्षा के लिए अवैध घुसपैठियों व अवैध अतिक्रमणकारियों को वहां से हटाए जाने की मांग की है। उन्होंल नॉर्थ ईस्ट के राज्यों, 1990 के दशक और 2000 के दशक की शुरूआत में जम्मू कश्मीर और पठानकोट में हमले की वजह से बालासोर की तरह हुए कई ट्रेन हादसे का जिक्र किया है।

आज का इतिहास

- **1770:** कैप्टन जेम्स कूक ने ऑस्ट्रेलिया के ग्रेट बैरियर रीफ की खोज की।
- **1776:** अमेरिका की स्वतंत्रता का घोषणा पत्र तैयार करने के लिए समिति बनाई गई।
- **1866:** इलाहाबाद उच्च न्यायालय की स्थापना हुई। इसे पहले आगरा उच्च न्यायालय के नाम से जाना जाता था।
- **1901:** न्यूजीलैंड ने क्रुक द्वीप पर कब्जा किया।
- **1921:** ब्राजील में महिलाओं को चुनाव में मतदान का अधिकार प्रदान किया ।
- **1935:** एडविन आर्मस्ट्रांग ने पहली बार एफएम का प्रसारण किया।
- **1940:** इटली के जेनेवा तोरन पर ब्रिटेन ने बमबारी की।
- **1947:** अमेरिका में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान पूरी तरह से चीनी की रसद खत्म हुई।
- **1948:** भारतीय राजनीतिज्ञ एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव का जन्म।

अरब सागर में पहली बार आईएनएस विक्रमादित्य-विक्रांत एक साथ

नेवी के सबसे बड़े एक्सरसाइज में 35 फाइटर जेट, हेलिकॉप्टर और सबमरीन हुए शामिल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। हिंद महासागर में चीन के बढ़ते दखल का मुकाबला करने के लिए इंडियन नेवी ने शनिवार को अरब सागर में सबसे बड़ी एक्सरसाइज की। नेवी ने पहली बार अपने दोनों एयरक्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रमादित्य और आईएनएस विक्रांत को एक साथ समुद्र में उतारा। इन एयरक्राफ्ट से मिग-29के सहित 35 लड़ाकू विमान भी उड़ाए गए। साथ ही समुद्र के अंदर अपनी शक्ति दिखाने के लिए इंडियन नेवी ने सबमरीन की भी टेस्टिंग की।

भारतीय नौसेना की पिछले कुछ सालों में अब तक की यह सबसे बड़ी एक्सरसाइज है। मिग के अलावा भारतीय सेना के हेलिकॉप्टर एमएच60आर, कामोव, सी-किंग, चेतक और एएलएच ने भी उड़ान भरी। इसके अलावा रात में भी एयरक्राफ्ट कैरियर से लड़ाकू विमानों ने टेक ऑफ किया।

नेवी ने कहा- हमारा मकसद समुद्री सीमा की सुरक्षा: इंडियन नेवी के स्पोक्सपर्सन कमांडर विवेक मधवाल ने बताया- इंडियन नेवी ने यह एक्सरसाइज अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने, क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने और समुद्री सीमा की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए की है।

25 साल बाद नौसेना में लौटा आईएनएस विक्रांत

31 जनवरी 1997 को नेवी से रिटायर हुए आईएनएस विक्रांत को 25 साल बाद फिर नौसेना में शामिल किया गया था। पीएम नरेंद्र मोदी ने 2 सितंबर 2022 को देश में बने इस सबसे बड़े युद्धपोत को नौसेना के हवाले किया था। साल 1971 की जंग में आईएनएस विक्रांत ने अपने सीहॉक लड़ाकू विमानों से बांग्लादेश के चिटगांव, कॉक्स बाजार और खुलना में दुश्मन के ठिकानों को तबाह कर दिया था।

हमारा लक्ष्य है, मुस्लिम आरक्षण खत्म हो, ये संविधान के खिलाफ है: शाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एक्टिव हैं। शाह ने महाराष्ट्र के नांदेड़ में शनिवार को मुस्लिम आरक्षण को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि बीजेपी का मानना है कि मुस्लिम आरक्षण नहीं होना चाहिए, क्योंकि यह संविधान के खिलाफ है। धर्म आधारित आरक्षण नहीं होना चाहिए। उद्धव ठाकरे इस पर रुख स्पष्ट करें।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे से सवाल करते हुए पूछा, उद्धव ठाकरे से पूछता हूं कि कर्नाटक में जिसकी सरकार बनी है वह वीर सावरकर को इतिहास की पुस्तकों से मिटाना चाहती है। क्या आप इससे सहमत हैं? मैं नांदेड की जनता से पूछता हूं कि महान देशभक्त, बलिदानी आदमी वीर सावरकर का सम्मान होना चाहिए या नहीं होना चाहिए? उद्धव जी आप दो नाव में पैर नहीं रख सकते... उद्धव जी कहते हैं कि हमने इनकी सरकार तोड़ी। हमने इनकी सरकार नहीं तोड़ी। शिवसैनिकों ने आपकी नीति विरोधी बातों से तंग आकर आपकी पार्टी छोड़ी।

राहुल विदेश जाकर देश का अपमान करते हैं- शाह

उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को घेरते हुए आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जहां जाते हैं वहां 'मोदी... मोदी... मोदी' के नारे लगते हैं... एक तरफ मोदी जी को दुनिया में सम्मान मिल रहा है और दूसरी तरफ कांग्रेस के शहजादे राहुल बाबा विदेश जाकर देश का अपमान करते है।

नांदेड़ स्थित सचखंड गुरुद्वारा में मत्था टेका

केंद्रीय गृह मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह शनिवार शाम यहां पहुंचे और नांदेड़ के पवित्र हुजूर साहेब सचखंड गुरुद्वारे में मत्था टेका। श्री शाह के साथ राज्य के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और पार्टी प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर भवनकुले के साथ सिख बोर्ड के पदाधिकारी भी मौजूद थे। उन्हें गुरुद्वारे में शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इससे पहले गृह मंत्री केंद्र सरकार के नौ साल पूरे होने पर एक जनसभा को संबोधित करने के लिए शनिवार दोपहर को श्री गुरु गोबिंदसिंहजी हवाईअड्डे पहुंचे थे। इस मौके पर श्री फडणवीस ने उनका स्वागत किया। साथ ही कलेक्टर पांडुरंग बोरगांवकर ने भी उनका स्वागत किया। इस अवसर पर केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री डॉ. भागवत कराड, राज्य ग्रामीण विकास, पंचायती राज, चिकित्सा शिक्षा, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री और नांदेड़ जिले के संरक्षक मंत्री गिरीश महाजन, सहकारिता एवं अन्य पिछड़ा बहुजन कल्याण विभाग मंत्री अतुल सावे, सांसद सुधाकर श्रृंगारे सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

महाराष्ट्र के लोगों से की ठाकरे को सबक सिखाने की अपील

नांदेड़, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने शनिवार को लोगों से महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को सबक सिखाने की अपील की। नांदेड़ में उन्होंने श्री ठाकरे की आलोचना की और कहा कि श्री ठाकरे ने पिछले चुनाव में पीएम नरेंद्र मोदी के नाम पर वोट हासिल किया था और सीएम पद के लिए राकांपा- कांग्रेस से हाथ मिलाया।

श्री शाह मोदी सरकार के नौ साल पूरा होने को लेकर भाजपा द्वारा शुरू किए गए महाजनसंपर्क अभियान का शुभारंभ करने यहां पहुंचे थे। उन्होंने दावा किया कि पिछले नौ वर्षों में मोदी सरकार ने गरीबों के लिए कई कल्याणकारी कार्य किए हैं। श्री शाह ने कहा श्री ठाकरे ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव भाजपा-शिवसेना ने मिलकर लड़ा था। उस चुनाव में भाजपा को सबसे ज्यादा वोट मिलने के बाद श्री देवेंद्र फडणवीस का मुख्यमंत्री बनना तय था, लेकिन श्री ठाकरे ने दिलचस्पी नहीं ली।

तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा भारत: राजनाथ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में देश की अर्थव्यवस्था 10 वें पायदान पर थी, आज देश-दुनिया में पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में भारत खड़ा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हम 2027 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तरफ बढ़ रहे हैं। बिहार के सासाराम में आयोजित गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह दीक्षांत समारोह है, शिक्षांत समारोह नहीं है। शिक्षा से हमें ज्ञान की प्राप्ति होती है, वहीं दीक्षा से हमें संस्कार की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि आज हमारा भारत बड़ी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

24 घंटों में और खतरनाक होगा बिपरजॉय तूफान

● नई दिल्ली

अरब सागर में आ रहा चक्रवात बिपरजॉय अगले 24 घंटे में और खतरनाक होने का अनुमान है। भारतीय मौसम विभाग ने शनिवार को बताया कि यह अरब सागर में उत्तर-उत्तर पूर्वी तरफ बढ़ रहा है। रविवार या सोमवार तक इसके गुजरात पहुंचने की संभावना है।

10 से 12 जून तक 80 से 120 किमी/घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। इसके चलते आईएमडी ने गुजरात, केरल, कर्नाटक और लक्षद्वीप में मछुआरों को समुद्र में जाने से मना किया गया है।

- 80 से 120 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी हवाएं
- अगले एक-दो दिन में गुजरात पहुंचेगा
- गुजरात के पोरबंदर से 640 किमी दूर है तूफान का केंद्र

गुजरात के वलसाड में तीथल बीच को 14 जून तक के लिए बंद कर दिया गया है। इसके साथ ही कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने बताया कि फिलहाल बिपरजॉय तूफान गुजरात के पोरबंदर से 640 किमी दक्षिण-दक्षिण पश्चिम में केंद्रित है। तूफान के रविवार या सोमवार तक दक्षिण गुजरात पहुंचने की संभावना है। इसके चलते मछुआरों को तट पर लौटने को कहा गया था और सभी बंदरगाहों को निर्देश दिए गए थे कि वे डिस्ट्रेस वॉर्निंग सिग्नल भेजें।

Filmiतड़का

फैन्स ने बनाया शाहरुख के सिग्नेचर स्टेप पर वर्ल्ड रिकॉर्ड

मुंबई,। बॉलीवुड के किंग खान यानि शाहरुख खान की पॉपुलैरिटी किसी से छिपी नहीं है। साथ ही उनके लिए उनके फैन्स की दीवानगी भी तमाम हदें पार करती दिखती है। इस बार शाहरुख के फैन्स ने कुछ ऐसा किया है कि खुद बॉलीवुड का बादशाह भी हैरत में रह गया। दरअसल शाहरुख के फैन्स ने उनके घर मन्नत के बाहर सबसे ज्यादा लोगों के उनका सिग्नेचर स्टेप करने का रिकॉर्ड बनाया गया है।

शाहरुख ने फैंस के साथ मिलकर बनाया रिकॉर्ड: शाहरुख के घर मन्नत के बाहर हर दिन फैन्स की भीड़ जुटती है। वहीं 18 जून का दिन एक्टर के फैंस के उस वक्त यादगार बन गया। जब शाहरुख उनको सरप्राइज देने के लिए अपने घर मनन्त की बालकानी में आ गए। इस दौरान मन्नत के बाहर तीन सौ फैन्स मौजूद थे जिन्होंने एक साथ उनका बाहें फैलाने वाला सिग्नेचर स्टेप कर गिनिज वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम कर दिया है. शाहरुख भी उस वक्त फैंस के साथ अपना सिग्नेचर स्टेप करते हुए दिखाई दिए थे। साथ ही उन्होंने हाथ जोड़कर अपने फैंस का अभिवादन भी किया।

32 साल बाद साथ काम करेंगे

अमिताभ- रजनीकांत की जोड़ी सिल्वर स्क्रीन पर मचाएगी धूम!

मुंबई, (एजेंसी)। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन और दक्षिण भारतीय फिल्मों के महानायक रजनीकांत की सुपरहिट जोड़ी सिल्वर स्क्रीन पर धूममचाती नजर आ सकती है।

रजनीकांत इन दिनों फिल्म जेलर की शूटिंग कर रहे हैं और लाल सलाम पर काम कर रहे हैं। इसके बाद वह थलाइवर 170 में काम करेंगे। कहा जा रहा है कि अमिताभ बच्चन, रजनीकांत की इस फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। बताया जा रहा है पहले यह रोल चियान विक्रम को ऑफर किया गया था। अब मेकर्स ने अमिताभ को यह रोल ऑफर किया है। हालांकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यदि अमिताभ बच्चन इस रोल को करने के लिए हामी भरते हैं तो अमिताभ और रजनीकांत 32 साल बाद एक साथ सिल्वर स्क्रीन पर नजर आएंगे।

अमिताभ बच्चन और रजनीकांत ने आखिरी बार वर्ष 1991 में प्रदर्शित फिल्म हम में साथ काम किया था। अमिताभ और रजनीकांत ने हम के अलावा अंधाकानून और गिरफ्तार जैसी सुपरहिट फिल्म में भी काम किया है।

मधु-इरा की मेहंदी सेरेमनी में पहुंचे आमिर-ऋतिक और राजकुमार

मुंबई। बॉलीवुड के फेमस प्रोड्यूसर मधु मंटेना जल्दी ही एक बार फिर से घोड़ी चढ़ने वाले हैं। कल यानी 11 जून को मधु मंटेना, इरा त्रिवेदी के साथ शादी करने वाले हैं और उससे पहले कपल के प्री-वेडिंग फंक्शन्स जारी हैं। मसाबा गुप्ता के एक्स हसबैंड मधु, 9 साल छोटी इरा को अपना जीवनसाथी बनाएंगे। आज मेहंदी सेरेमनी में कई सेलेब्स ने शिरकत की जिस में ऋतिक रोशन से लेकर आमिर खान तक शामिल रहे।

पोरबंदर से पांच लोगों को एटीएस ने गिरफ्तार किया

अहमदाबाद। गुजरात पुलिस के एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने पोरबंदर से श्रीनगर के चार युवकों और सूरत की एक महिला को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक विदेशी नागरिक है। एटीएस सूत्रों के मुताबिक, चारों के अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठन आईएसआईएस से लिंक हैं। महिला के पास से चार मोबाइल और अन्य डिजिटल डिवाइसेज भी बरामद की गई हैं।

इनमें एक विदेशी नागरिक भी, आतंकी संगठन आईएसआईएस से लिंक, विदेश भागने वाले थे

गुजरात एटीएस के आईजी दीपेन भद्रन ने बताया कि गिरफ्तार पांचों शख्स आतंकी संगठन आईएसआईएस खुरासान के मॉड्यूल का हिस्सा हैं। ये पिछले एक साल से एक-दूसरे के संपर्क में थे और आईएसआईएस में शामिल होने के लिए देश से भागने की योजना बना रहे थे। ये सभी आईएसआईएस के मॉड्यूल पर काम करते हुए सोशल मीडिया के जरिए युवाओं को कट्टरपंथी बनाने का काम कर रहे थे। साथ ही गुजरात से जुड़ी सीक्रेट इन्फॉर्मेशन विदेश भेज रहे थे।

एटीएस पिछले कई दिनों से पोरबंदर व आसपास के इलाकों में सर्च ऑपरेशन चला रही थी। इसी ऑपरेशन के तहत इन पांचों की गिरफ्तारी की गई है। ईरान के रास्ते अफगानिस्तान जाने वाले थे। गुजरात के गृह मंत्री हर्ष सांघवी और एटीएस की प्रेस कान्फ्रेंस में यह जानकारी दी गई।

खाप पंचायत में पहलवानों का ऐलान एक बार फिर धरना देंगे रेसलर्स

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रेसलर्स और सांसद अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के बीच चल रहे विवाद को लेकर शनिवार को हरियाणा के सोनीपत में महापंचायत हुई। इस दौरान दोनों पहलवानों ने खाप प्रतिनिधियों को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और खेल मंत्री अनुराग ठाकुर के साथ हुई बैठक के बारे में जानकारी दी। केंद्र सरकार बृजभूषण सिंह को गिरफ्तार करने के लिए तैयार नहीं है। बजरंग पूनिया ने बताया कि सरकार को 14 जून तक का वक्त कार्रवाई के लिए दिया है। उसके बाद जंतर-मंतर पर पहलवान धरना देंगे। जिसमें सभी खाप पंचायतें शामिल होगी। हमारी कॉल का सभी खाप पंचायतें इंतजार कर रही है।

15 जून से दोबारा धरना देंगे

पहलवान बजरंग पूनिया ने बताया कि बैठक में केंद्र ने हमसे 15 जून तक का समय मांगा है। अगर इस दौरान बृजभूषण पर कोई कार्रवाई नहीं हुई तो हम बृजभूषण की गिरफ्तारी की मांग को लेकर दोबारा धरना देंगे। इससे पहले खाप पंचायत में हिस्सा लेने पहुंचे बजरंग ने मीडिया से कहा कि हमारी सरकार के साथ जो बातचीत हुई है उसे हम हमारे समर्थन में खड़े खाप और संगठन के बीच रखेंगे।

साक्षी मलिक बोलीं, एशियन गेम्स में हिस्सा नहीं लेंगे पहलवान

पहलवान साक्षी मलिक ने कहा कि पहलवान तभी एशियन गेम्स में तभी हिस्सा लेंगे जब ये सारा मुद्दा सुलझेगा। उन्होंने कहा कि हम शुरू से मांग कर रहे हैं कि बृजभूषण की गिरफ्तारी तुरंत होनी चाहिए। जब तक उसकी गिरफ्तारी नहीं होती, तब तक जांच प्रभावित होती रहेगी। वह बाहर रहेगा तो पहलवानों पर दबाव रहेगा। पॉक्सो एक्ट वाली लड़की टूट चुकी है। उसका बयान भी बदल गया है। धीरे-धीरे और भी लड़कियां टूट जाएंगी। हम एशियन गेम्स तभी खेलेंगे जब ये सारा मुद्दा सुलझेगा। आंदोलनरत पहलवानों की एकता के सवाल पर साक्षी ने कहा कि, मैं यह साफ कर देना चाहती हूं हम सब एक हैं। मैं, बजरंग, विनेश हम सब एक हैं, हमारी लड़ाई एक है। विनेश के पंचायत में न शामिल होने पर उन्होंने कहा कि यहां विनेश के न आने का कारण यह है कि मामले से जुड़ी कुछ इन्क्वायरी चल रही है।

आरोप-प्रत्यारोप कपिल सिब्बल और गिरिराज सिंह ने एक-दूसरे पर साधा निशाना

भारत के सपूत हैं गोडसे: गिरिराज, भड़के सिब्बल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने हाल ही में महात्मा गांधी की हत्या करने वाले नाथूराम गोडसे को भारत का 'सपूत' बताया था और कहा था कि वह मुगल शासक बाबर और औरंगजेब की तरह आक्रमणकारी नहीं था क्योंकि वह भारत में पैदा हुआ था। इसी क्रम में राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने गिरिराज सिंह के गोडसे पर दिए इस बयान को लेकर शनिवार को उनपर हमला बोला। उन्होंने कहा कि इसका मतलब जो भी हिन्दुस्तानी यहां पैदा हुआ है वो कत्ल करता है तो वो भारत का सपूत है। सपूत का मतलब क्या हुआ? इसका मतलब अच्छा पुत्र हुआ। तो क्या गिरिराज सिंह जी के हिसाब से गोडसे जी अच्छे पुत्र थे?

गिरिराज के बयान पर सिब्बल का पलटवार

गिरिराज सिंह ने नाथूराम गोडसे को भारत का 'सपूत' (योग्य पुत्र) करार दिया और कहा कि महात्मा गांधी का हत्यारा मुगल शासक बाबर और औरंगजेब जैसा आक्रमणकारी नहीं था, क्योंकि वह भारत में पैदा हुआ था। इस पर पलटवार करते हुए सिब्बल ने कहा, गिरिराज सिंह बोले गोडसे भारत का एक 'सपूत' (योग्य पुत्र) है। वह मुगलों की तरह आक्रमणकारी नहीं है। इस कथन से कई लोग आपको भारत का 'योग्य पुत्र' नहीं कह सकते हैं। हत्यारों को उनके मूल से अलग नहीं किया जा सकता!

औवेसी के बयान पर दी प्रतिक्रिया

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की औरंगजेब पर की गई टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए गोडसे से संबंधित एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के एक बयान के बारे में पूछे जाने पर गिरिराज सिंह ने कहा था बाबर और औरंगजेब की तरह आक्रमणकारी नहीं था गोडसे।

मोदी सरकार के कार्यकाल पर साधा निशाना

सिब्बल ने एक अन्य ट्वीट में मोदी सरकार के नौ साल के कार्यकाल के दौरान भी उस पर निशाना साधा। सिब्बल ने कहा कि 2014-2023 नफरत की संस्कृति, फेक न्यूज, सांप्रदायिक राजनीति, साम्राज्यवादी सरकार, राजनीतिक शोबिज, डेटा हेरफेर, प्लायंट मीडिया, ट्रोलिंग और भ्रष्टाचार के लिए याद किया जाएगा।

कपिल सिब्बल ने पिछले साल छोड़ी कांग्रेस

यूपीए 1 और यूपीए 2 सरकारों के दौरान केंद्रीय मंत्री रहे सिब्बल ने पिछले साल मई में कांग्रेस छोड़ दी थी और समाजवादी पार्टी के समर्थन से एक स्वतंत्र सदस्य के रूप में राज्यसभा के लिए चुने गए थे। उन्होंने हाल ही में अन्याय से लड़ने के उद्देश्य से गैर-चुनावी मंच 'इंसाफ' शुरू किया।

भारत एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में विकसित हो रहा : दत्तात्रेय

प्रखर सुलतानपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने आज यहाँ कहा कि भारत एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में विकसित हो रहा है। जिसको रोकने के लिए तमाम विरोधी शक्तियां सामने आ रही हैं। यह वह शक्तियां हैं जिन्हें उजाला पसंद नही हैं।

सरस्वती विद्या मन्दिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, विवेकानन्द नगर, सुलतानपुर के परिसर में आयोजित संघ के पूर्वी उत्तर-प्रदेश क्षेत्र के स्वयंसेवको के संघ शिक्षा वर्ग - द्वितीय वर्ष (सामान्य व विशेष) के समापन अवसर पर श्री होसबाले ने कहा कि देश में दाम्पत्य जीवन को सही मार्गदर्शन की जरूरत है। भारत का दाम्पत्य जीवन अच्छा रहा तभी यह सुरक्षित रह सका। उन्होंने कहां की देश के नवीन पीढ़ी को अपने देश के इतिहास संस्कृति और विरासत से परिचित कराने की भी जरूरत है जिस से प्रेरणा लेकर वह व्यक्तित्व निर्माण में योगदान दे सकें। भारत के इस मिट्टी में जन्मे सभी संत संप्रदाय के लोगों, सभी साधु संतों ने यही कहा है कि मनुष्य ठीक होना चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का सपना है कि देशभक्ति से ओतप्रोत समाज के लोग भारत के आध्यात्मिक चिंतन, जीवन मूल्यों की संस्कृति के आधार पर व्यक्तित्व निर्माण करें। कोई भी राष्ट्र कितने भी प्राकृतिक संसाधन से संपन्न हो, उनके प्राचीन इतिहास कितने भी भव्य हो, वहां के समाज में रहने वाले व्यक्ति में सेवाभाव नहीं है तो वह उन्नति नहीं कर सकता है। इसलिए एक एक व्यक्ति के अंदर जीवन के उद्देश्य को लेकर अपने जीवन के आचरण, व्यवहार में उन मूल्यों को कैसे उतारना चाहिए यह व्यक्ति निर्माण के कार्य संघ ने अपने कार्य के रूप में हाथ में लिया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सुलतानपुर गुरूद्वारा श्री गुरूसिंह सभा के महासचिव सरदार सुदीप पाल सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सामाजिक क्षेत्र में सब काम करने वाला सबसे बड़ा संगठन है या देश दुनिया के लोगों में राष्ट्र की भावना से ओतप्रोत कार्यक्रमों को नियमित रूप से चलाता रहता है। इससे पहले राष्ट्रिय स्वयंसेवक संघ का ध्वज अवरोहित हुआ और सामूहिक संघ प्रार्थना के साथ ध्वज प्रणाम हुआ। इस वर्ग में पिछले 21 मई से प्रषिक्षण प्राप्त कर रहे प्रषिक्षार्थियों ने सामूहिक रूप से शारीरिक प्रदर्शन अन्तर्गत प्रत्युत्प्रचलनम्, प्रदक्षिणा संचलन, सामूहिक समता, दण्ड, दण्डयोग, व्यायाम योग, पद विन्यास, आसन, यष्टि प्रस्तुत किया। वर्गगीत के बाद अतिथियों का परिचय मुरली पाल, वर्ग कार्यवाह (सामान्य), वर्ग वृत्त, वीरेन्द्र, वर्ग कार्यवाह (विशेष) तथा आभार ज्ञापन डॉ. राधाकृष्ण, सह वर्ग कार्यवाह (सामान्य) ने प्रस्तुत किया। सामूहिक एकात्मता मंत्र रामाधार व अमृत वचन, एकलगीत हुआ। ध्वजावतरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र प्रचारक अनिल जी, प्रान्त प्रचारक रमेश जी, क्षेत्र कार्यवाह डॉक्टर बीरेंद्र जायसवाल, प्रान्त संघ चालक डॉक्टर निगम जी, गंगा समग्र के राष्ट्रीय मंत्री राममशीष, क्षेत्र संघचालक वीरेंद्र पराक्रमादित्य, सर्वाधिकारी पृथ्वीराज सिंह , विभाग संघचालक रामशंकर मिश्र रहे।

संक्षिप्त खबरें

सपा के जोन प्रभारियों एवं सेक्टर प्रभारियों की समीक्षा बैठक 12 को

प्रखर जौनपुर। शाहगंज विधानसभा क्षेत्र के समाजवादी पार्टी के जोन प्रभारियों एवं सेक्टर प्रभारियों की समीक्षा बैठक उसरहटा शाहगंज मे दिनांक 12:6:2023 को सुबह 10 बजे मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव विधायक लालजी वर्मा मौजूद रहेंगे यह जानकारी निवर्तमान प्रवक्ता राहुल त्रिपाठी ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दिया।

पुरानी रंजिश में पीटा, हालत गंभीर

प्रखर पिंडरा वाराणसी। सिंधोरा थाना क्षेत्र के मुर्दी गांव में बीती रात पुरानी रंजिश में दबंगो ने लाठी से सिर पर प्रहार कर युवक को घायल कर दिया जिससे युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस को दिए तहरीर में पीड़ित के भाई नागेंद्र ने आरोप लगाया कि पुरानी रंजिश को लेकर मेरे छोटे भाई जोगेंद्र के ऊपर रात्रि 9 बजे गांव के ही मोखन और उसके पुत्र सरन ने हमला कर दिया। जिससे सिर व हाथ पैर में गम्भीर चोट आई। पुलिस ने तहरीर के आधार दो के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया।

विभिन्न थानों की पुलिस द्वारा 61 वारण्टीयो सहित एक गांजा तस्कर गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक जनपद गाजीपुर के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों, वारण्टियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर/ग्रामीण के कुशल मार्गदर्शन में एवं समस्त क्षेत्राधिकारी के कुशल पर्यवेक्षण में रविवार को न्यायालय द्वारा जारी भिन्न भिन्न मुकदमो में वारण्ट के सम्बंध में जनपद के विभिन्न प्रभारी निरीक्षक एवम थानाध्यक्ष द्वारा टीम बनाकर कुल 61 नफर वारण्टी को दबिश देकर गिरफ्तार किया गया, गिरफ्तारशुदा वारण्टियो के विरूद्ध विधिक कार्यवाही की जा रही है। वही मोहम्मदाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत रविवार को उप निरीक्षक कृष्ण प्रताप सिंह मय हमराह के थाना हाजा से देखभाल क्षेत्र व वारण्टिओं के तलाश मे मामूर थे कि कोटिया चट्टी कस्बा मुहम्मदाबाद पहुँचे तो देखा कि एक व्यक्ति अपने दाहिने हाँथ मे झोला मे कुछ लिये हुए आ रहा है। शक होने पर रोका व टोका गया तो अचानक पुलिस वालों को देखकर भागने लगा कि हमराही पुलिस कर्मचारीगणों की मदद से भागने वाले व्यक्ति को कोटिया चट्टी से सलेमपुर जाने वाली रोड पर मय हाँथ मे लिए झोले पकड़ लिया। पकड़े गये व्यक्ति से नाम पता पूँछते हुए भागने का कारण पूँछा गया तो अपना नाम लड्डू कुरैशी पुत्र मुख्तार कुरैशी नि0 वार्ड नं0 10 मंगल बाजार कस्बा व थाना मुहम्मदाबाद जनपद गाजीपुर उम्र करीब 32 वर्ष बताया तथा भागने का कारण बताया कि इस झोले मे अवैध गाँजा है। जिसे बेचने हेतु ले जा रहा था। जामा तलाशी से अभियुक्त के पास से 850 ग्राम अवैध गाँजा बरामद हुआ जिसका वैध पत्र माँगा गया तो दिखाने से कासिर रहा अतः उसके किये गये जुर्म की धारा 8/20 एनडीपीसी एक्ट का बोध कराते हुए कारण गिरफ्तारी बताते हुए बजाफ्ता वकायदा समय करीब 2.30 हिरासत पुलिस मे लिया गया ।इस सम्बन्ध में स्थानीय थाना पर एनडीपीएस एक्ट का अभियोग उक्त गिरफ्तार शुदा अभियुक्त के विरुद्ध पंजीकृत किया गया । अन्य विधिक कार्यवाही थाना मुहम्मदाबाद पुलिस द्वारा की जा रही है । गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम मे उप निरीक्षक कृष्ण प्रताप सिंह थाना मुहम्मदाबाद, कांस्टेबल कृष्ण कुमार थाना मुहम्मदाबाद, कांस्टेबल विनय कुमार थाना मुहम्मदाबाद जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

3 वाहन संग 23 गौवंश बरामद, मौके से 3 गौतस्कर फरार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह द्वारा अपराध एवं अपराधियों व गौतस्करों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी मुहम्मदाबाद के मार्गदर्शन मे रविवार को थानाध्यक्ष देवेन्द्र यादव व उप निरीक्षक सुरेश कुमार मौर्य पुलिस टीम के साथ क्षेत्र, रोकथाम जुर्म जरायम चेकिंग संदिग्ध, वांछित, एनबीडब्लू में मामूर होकर दुबिहा मोढ़ पर मौजूद थे कि खास मुखबिर के जरिये सूचना मिली कि एक बुलेरो गाड़ी से सोनू पुत्र कबड्डू निवासी ग्राम व थाना दुल्लहपुर गाजीपुर गाड़ी को चला कर आगे आगे लोकेशन दे रहा है। और उसके पीछे टाटा योद्धा पिकअप में गोवंश लादकर पप्पू उर्फ अली अहमद पुत्र इकबाल अहमद निवासी ग्राम रसूलपुर व्यवहरा थाना मुबारकपुर जनपद आजमगढ़ चला रहा है। तथा उसके पीछे दुसरी पिकअप में गोवंश लादकर बिस्मिल्लाह उर्फ बबलू पुत्र कबड्डू निवासी ग्राम व थाना दुल्लहपुर गाजीपुर जो मुहम्मदाबाद से बलिया की ओर गोवंश लदी हुई गाड़ियो को बिहार वध हेतु ले जा रहा है । यदि जल्दी किया जाय तो पकड़े जा सकते हैं । मुखबीर खास की सूचना पर उप निरीक्षक मय हमराही कर्मचारीगण के समय सुबह 06.30 बजे गोशाला के आगे करीमुद्दीनपुर तालाब के पास पुलिया पर घेरा बन्दी कर आ रही वाहनों को रुकने का इशारा किये तो चालक व अन्य साथी पुलिस वालों को देखकर वाहन रोककर मौके से फरार हो गये । पकड़े गये तीनो वाहनों में कुल 23 राशि गोवंश लदे हुए थे। तीनों वाहन को पुलिस कब्जा में लेकर गोवंश को थाना हाजा पर लाकर अन्य कानूनी कार्यवाही थाना करीमुद्दीनपुर द्वारा किया गया।

छितौना गांव में जल जीवन मिशन के कार्यों का नेशनल टीम ने किया निरीक्षण

प्रखर केराकत जौनपुर। जिले में चल रहे जल जीवन मिशन की टीम ने छितौना गांव में पहुंच कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया। टीम के सदस्यों ने गांव में चौपाल लगाकर जल जीवन मिशन के कार्यों के बारे में ग्रामीणों से जानकारी प्राप्त की। और वही शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराए जाने के लिए सरकार के द्वारा चलाई जा रही महत्वाकांक्षी कार्यक्रम जल जीवन मिशन हर घर जल योजना के अंतर्गत हिसामपुर, बलरामपुर, छातीडीह, मकरा, नेवादा, आरा, अंबरपुर, बारी गांव, राजेपुर, तरियारी, काकोरी, सरौनी पूरब पट्टी, सहित अन्य 16 गांवों में जाकर टीम ने निरीक्षण किया। और वहां के ग्रामीणों से पेयजल योजना के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी ली। नेशनल टीम के विशेषज्ञ डॉक्टर जय भगवान एवं जगजीत सिंह सोढ़ी, नेशनल वास एक्सपर्ट की तरफ से सर्वप्रथम ग्राम पंचायत, ग्राम प्रधान ग्रामीण आंगनवाड़ी पानी, समिति के महिलाओं से शुद्ध पेयजल के संबंध में चर्चा किये। तथा जल समिति के सदस्य एवं एफ.टी.के जांच दल सदस्य की महिलाओं के साथ गांव में जल स्रोत की जानकारी ली। और अपने समाज जल नमूनों का परीक्षण कराया । इस अवसर पर नेशनल टीम के विशेषज्ञ डॉ जय भगवान, एवं जगजीत सिंह सोढ़ी और नेशनल वाश एक्सपर्ट के साथ अधिकारी व अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता, जेई जल निगम, ग्रामीण आई एम ए, टीपीआई ग्राम प्रधान ममता यादव पत्नी सुबास यादव फौजी,संजय सरोज, विशाल मौर्य,राजकुमार मौर्य के साथ लोग उपस्थित रहे।

रक्तदान कर जरूरतमंदों के लिये आगे आये कर्मठ कार्यकर्ता

प्रखर वाराणसी। अग्रसेन युवा मंच-काशी परिवार द्वारा रविवार को रक्तदान शिविर का विशेष आयोजन किया गया । रक्तदान शिविर में अमर उजाला फाउंडेशन एवं रोट्रैक्ट क्लब वाराणसी कबीर सहयोगी पार्टनर के रूप में जुड़े। रक्तदान शिविर लहुराबीर स्थित क्टअ भवन में प्रातः 11.00 बजे से अपराह्न 2.00 बजे तक आयोजित था। रक्तदान शिविर का उद्घाटन संरक्षक संतोष अग्रवाल एवं अध्यक्ष अतुल अग्रवाल ने किया । रक्तदान शिविर में मंच परिवार के सभी सदस्यगण एवं कार्यकर्ता बढ़चढ़कर हिस्सा लिये एवं रक्तदान के प्रति समाज मे फैली भ्रांतियों को दूर करने का प्रयास किये। रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं के अलावा कई युवाओं को भी आमंत्रित किया गया जिससे वे रक्तदान के प्रक्रिया को करीब से जान समझकर भ्रांतियों से दूर हो सकें । रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं को तुलसी का पौधा भेंट स्वरूप प्रदान किया गया जिससे वे अपने घरों में लगाकर वातावरण शुद्धि में एक कदम आगे बढ़ सकें। रक्तदान शिविर में श्री अग्रसेन युवा मंच काशी परिवार के अध्यक्ष अतुल अग्रवाल, उपाध्यक्ष अंकित गर्ग, महामंत्री सौरभ अग्रवाल, कोषाध्यक्ष शुभम अग्रवाल कार्यकारिणी कमेटी प्रमुख हर्षद अग्रवाल के साथ साथ संरक्षक संतोष अग्रवाल, कृष्णशरण अग्रवाल, श्री काशी अग्रवाल समाज के भंडार मंत्री मनीष गुप्ता उपस्थित थे । इसी के साथ श्याम अग्रवाल, आयुष अग्रवाल, सागर अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल एवं अन्य कई की उपस्थिति रही ।

कायस्थ महासभा ने मनाया पूर्व गृहमंत्री सुबोध कांत सहाय का जन्मदिन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। रविवार को अखिल भारतीय कायस्थ महासभा गाजीपुर के तत्वावधान में महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं देश के पुर्व गृह राज्यमंत्री माननीय सुबोधकांत सहाय का जन्म दिन समारोह महासभा के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव के चंदन नगर स्थित आवास पर आयोजित हुआ। इस अवसर पर महासभा के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने केक काटकर उनका जन्मदिन मनाया और उनके दीघार्यु होने की कामना किया। इसअवसर पर महासभा के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव ने उन्हें बधाई देते हुए दीघार्यु होने की कामना किया और उन्हें देश का महान नेता बताया।

उन्होंने कहा कि जब से उन्होंने अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद की जिम्मेदारी संभाली है कायस्थ समाज निरंतर संगठित और मजबूत हुआ है। तथा इनके नेतृत्व में पूरे देश में कायस्थ महासभा का विस्तार हुआ है। उनके कुशल नेतृत्व, कड़ी मेहनत और मशक्कत के चलते समाज में पुनः राजनैतिक एवं सामाजिक चेतना का पुनर्जागरण हुआ है। उनके नेतृत्व में कायस्थ समाज अपनी राजनैतिक भागीदारी और हक-हकूक के सवाल पर मुखर हुआ है। इस समारोह में मुख्य रूप से प्रान्तीय उपाध्यक्ष मुक्तेश्वर प्रसाद श्रीवास्तव, गुलाब लाल श्रीवास्तव, पियूष श्रीवास्तव, चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव, शैल श्रीवास्तव, मनीष श्रीवास्तव, हरिश्चंद्र गौड़, परमानन्द श्रीवास्तव, मोहनलाल श्रीवास्तव, कमल प्रकाश श्रीवास्तव, अमर सिंह राठौर, गौरव श्रीवास्तव, अवनीश वर्मा, सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, अनूप श्रीवास्तव, विपुल सिन्हा,अश्वनी श्रीवास्तव, दीपक श्रीवास्तव, मोहनलाल श्रीवास्तव, नवीन श्रीवास्तव, डॉ सुधीर श्रीवास्तव , गप्पू श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

शवदाह संस्कार करने गये युवक की नदी में नहाते समय डूबकर मौत

प्रखर केराकत जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र के सिहौली गांव के गोमती नदी के किनारे बने अंत्येष्टि स्थल पर रविवार को शव दाह संस्कार करने आये युवक की नदी में नहाते समय डूबकर मौत हो गयी। गौरतलब है कि प्रमिला देवी पत्नी संजय कुमार कई महीनों से बीमार चल रही थी।बिमारी के कारण रविवार को उनकी मृत्यु हो गयी।शव दाह संस्कार के लिए ग्रामीण घाट स्थल पर पहुंचे थे विकास उर्फ विक्की पुत्र पतिराम 21वर्ष निवासी चौकियाँ गाँव जयगोपालगंज अपने ग्रामीणों के साथ आया हुआ था।शव जलने के बाद लोग नदी में नहाने लगे इस दौरान विकास भी नदी में नहाने लगा अचानक गहरे में जाने के कारण अपना संतुलन खो बैठा और नदी में डूबने लगा।विकास को डूबता देख लोग चीख पुकार करने लगे साथ आये लोग डूबते हुए विकास को बचाने ने असफल रहे।सूचना पाकर मौके पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक जय प्रकाश यादव ने गोताखोरों की मदद से शव की खोजबीन होने लगी एक घंटे की कड़ी मसक्कत के बाद शव को बाहर निकाला थाने लाकर पोस्टमार्टम हेतु भेज आवश्यक कार्यवाही में जुट गई। वही मौत की खबर परिजनों को होते ही परिवार में कोहराम मच गया लोगो का रो रो कर बुरा हाल है।

बी कॉम छात्र की मौत से परिवार में मचा कोहराम-परिजनों के अनुसार विकास सरल स्वभाव का था पढ़ने लिखने में काफी दिलचस्पी थी चार भाईयों में तीसरे नंबर का था विकास माइक्रोटेक कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट बगथरी आजादनगर में बिकॉम फाइनल ईयर की पढ़ाई करता था पिता पतिराम लुधियाना में धागा मिल कंपनी में काम करते थे।इस समय घर पर आये हुए थे वह भी शव दाह संस्कार में भी गए थे। विकास नदी में नहाने से पहले अपना कपड़ा और मोबाइल निकाल कर अपने पिता को देकर अपने साथी के साथ नहाने चला गया। नदी में नहाते समय डूबकर मौके पर ही मौत हो गयी।

प्रभु भक्तों के भाव और श्रद्धा को देखते हैं : बालक दास

श्रीराम राज्याभिषेक की झांकी का दर्शन कर भक्त हुए निहाल, नौ दिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा का हुआ समापन

प्रखर वाराणसी। अखिल भारतीय सनातन समिति जैतपुरा स्थित मां बागेश्वरी देवी के प्रांगण में चल रहे संगीतमय रामकथा के अंतिम दिन शुक्रवार की देर रात्रि में श्रीराम राज्याभिषेक के साथ संपन्न हो गया। इस अवसर पर प्रवचन करते हुए पातालपुरी मठ के पीठाधीश्वर महंत बालक दास जी महाराज ने प्रभु श्री राम के वन में बिताए समय की चर्चा करते हुए तथा शबरी के प्रभु के प्रति प्रेम की व्याख्या करते हुए कहा कि प्रभु भक्तों के भाव और श्रद्धा को देखते हैं। उन्होंने कहा कि जंगल में गिद्ध जटायु के भाई संपाती ने प्रभु श्रीराम से माता सीता को जंगल में कहा कि किष्किंधा नरेश सुग्रीव से आप जाकर मिले। वह आपको माता सीता को खोजने में काफी मदद करेंगे यह जानकर प्रभु उनसे जाकर मिले परंतु रास्ते में भूदेव के वेश में प्रथम मुलाकात श्री हनुमान जी से हुई प्रभु ने स्वयं सारा वृत्तांत सुनाया तब हनुमान जी ने माता सीता की खोज में प्रभु का स्मरण कर समुद्र लांग कर लंका में प्रवेश कर माता जानकी का पता लगाकर लौट आए इसके बाद राम रावण के युद्ध में भक्त विभीषण ने प्रभु राम की शरणागति आकर युद्ध में उन्होंने राम की सेना की पूरी मदद की और अंततः मेघनाथ कुंभकरण सहित रावण मारा गया तत्पश्चात विभीषण को लंका का राजा बनाया। प्रभु के हाथ तब महाराज इंद्र ने अपना पुष्पक विमान प्रभु को दिया उसमें सवार होकर राम लक्ष्मण जानकी हनुमान नल नील अंगद विभीषण सहित प्रभु के अयोध्या पहुंचने पर पूरा अयोध्या राममय होकर उनकी जय-जयकार करने लगा। श्रीराम राज्याभिषेक की झांकी के अवसर पर महापौर अशोक तिवारी भी पहुंचकर आशीर्वाद प्राप्त किया। श्रीराम राज्याभिषेक के अवसर पर प्रांगण में उपस्थित महिलाएं झूम उठी और मंगल गान करते हुए नृत्य करने लगीं। प्रधान सचिव राजेश सेठ के अनुसार शनिवार सायंकाल प्रांगण में ही विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। कथा के विश्राम पर व्यासपीठ की आरती जयशंकर गुप्ता किशोर सेठ रविशंकर सिंह रवि प्रकाश डॉ अजय कुमार सुजीत कुमार ज्ञानचंद मौर्या संजय गुप्ता विष्णु गुप्ता प्रमोद यादव वतन कुशवाहा सत्यनारायण सेठ ने की। मंच का संचालन प्रधान सचिव राजेश सेठ ने किया।

भाकपा माले कार्यकर्ताओं की बैठक संपन्न, सरकार पर लगाए आरोप

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। रविवार को जखनिया में भाकपा माले कार्यकर्ताओं की स्थानीय कार्यालय पर संपन्न हुई। बैठक को सम्बोधित करते हुए अखिल भारतीय किसान महासभा के जिला अध्यक्ष कामरेड गुलाब सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार में अधिकारी क्षेत्र की जनता के सवालों को सुनने व उसपर उचित कार्रवाई करने के बजाय भाजपा नेताओं के प्रभाव में काम कर रहे हैं। गरीब भूमिहीन श्रीकांत का आवास बन कर तैयार है शिर्फ उसपर छत ढालना बाकी जिसपर जखनियां तहसील प्रशासन ने रोक लगा दी है। जिसके निस्तारण के लिए तहसील के जिम्मेदार अधिकारी से मिला गया फिर भी आज तक उसपर गम्भीरता पूर्वक विचार नहीं किया गया। जिसको लेकर आगे आन्दोलन तेज किया जाएगा। भाकपा माले ब्लाक सचिव कामरेड लालबहादुर बागी ने कहा कि गरीब जनता राशन और पानी के अभाव में मर रही है और भाजपा सरकार बिजली बिल के नाम पर गरीबों से लाखों रूपए दबाव बना कर लिया जा रहा है। बैठक में रूप से कामरेड गुलाब सिंह, लालबहादुर बागी, श्रीकांत, रणधीर सिंह, मिलन, बिनोद बनवासी, शान्ति देवी, निरा राम, मोनू सिंह आदि लोगों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता गुलाब सिंह व संचालन लालबहादुर बागी ने किया।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं